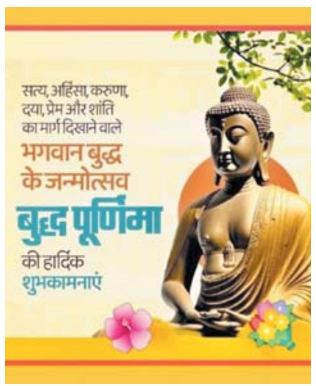

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 272/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■ आर.एन.आई 22296/71 ■ डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, सोमवार 12 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

भाजपा सांसद का दावा, जिस दिन चाहूंगा अखिलेश का पूरा परिवार भाजपा एनडीए में शामिल हो जाएगा

उन्नाव। भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने शनिवार को अपने उन्नाव स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि जिस दिन चाहूंगा, उस दिन अखिलेश और उनका पूरा परिवार भाजपा में आ जाएगा। साक्षी महाराज ने कहा कि अगर वे भाजपा में नहीं आए, तो एनडीए के साथ आना तय है। साक्षी महाराज ने अखिलेश के परिवार से अपने करीबी रिश्तों का जिक्र करते हुए खुद को उनके परिवार का मुखिया बताया। यह बयान सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस तंज के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि साक्षी महाराज उनके अनुरोध पर सपा में आ जाएंगे। अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि साक्षी महाराज उनके अनुरोध पर सपा में आ जाएंगे। जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उनके बीच पारिवारिक संबंध जरूर हैं, लेकिन राजनीतिक विचारधारा अलग है। अब साक्षी महाराज ने कहा कि अखिलेश का परिवार उनका बड़ा सम्मान करता है। जाति जनगणना पर साक्षी महाराज ने कहा कि मैं ओबीसी समाज से ताल्लुक रखता हूं। ओबीसी समाज का मेरे पर बड़ा एहसान है। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जाति जनगणना के लिए प्रयास किया है। उनका मानना है कि इससे समाज के वंचित वर्गों को मजबूती मिलेगी। साक्षी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। कहा कि मोदी किसी के दबाव में नहीं आते लेकिन मैंने जाति जनगणना के लिए प्रयास जरूर किया। उन्होंने कहा कि देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। उनका दावा है कि 2024 में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी।

शेयर मार्केट ने सीजफायर के बाद तोड़े सभी रिकॉर्ड, सेंसेक्स की 1800 अंकों की स्ट्राइक

नई दिल्ली/मुंबई। पिछले कई दिनों से जारी भारत पाकिस्तान तनाव का असर शेयर मार्केट पर भी नजर आ रहा था। आज सोमवार को बाजार के प्री ओपनिंग सेशन में धमाकेदार शुरूआत देखने के लिए मिली है। बाजार खुलते ही बीएसई के इंडेक्स सेंसेक्स ने तगड़ी छलांग लगायी है। सोमवार 12 मई को बीएसई का सेंसेक्स में 1839.67 प्वाइंट्स की ऊंचाई दर्ज की गई है। जिसका मतलब है कि सेंसेक्स में 2.32 प्रतिशत की तेजी देखने के लिए मिल रही है। दूसरी ओर एनएसई के निफ्टी ने भी 461 अंक यानी 1.92 प्रतिशत की तेज रफ्तार पकड़ी है।

अमेरिका में दवाओं की कीमतें घटाएंगे ट्रंप, मोस्ट फेवर्ड नेशन नीति लागू करने का ऐलान

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देशवासियों को दवाओं की ऊंची कीमतों से राहत दिलाने का वादा किया है। ट्रंप ने ऐलान किया कि वे सोमवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, जिससे कुछ दवाओं की कीमतें कम हो सकती हैं। यह प्रयास उनके पहले कार्यकाल में भी किया गया था, लेकिन

अदालती रोक के कारण सफल नहीं हो पाया था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, मैं मोस्ट फेवर्ड नेशननीति लागू करूंगा, जिसके तहत अमेरिका वही कीमत चुकाएगा, जो दुनिया में किसी देश ने सबसे कम दी है। उन्होंने दावा किया कि इससे स्वास्थ्य खर्च में ऐतिहासिक कमी आएगी, हालांकि विशेषज्ञ उनके ट्रिलियन्स ऑफ डॉलर्स की बचत के दावे को अतिशयोक्तिपूर्ण मानते हैं। यह आदेश मुख्य रूप से मेडिकेयर पार्ट बी के तहत दी जाने वाली दवाओं, जैसे कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन और ड्रिप, पर लागू होगा, जो 70 मिलियन बुजुर्गों को कवर करता है। हालांकि, फार्मेसी से खरीदी जाने वाली दवाओं पर इसका असर नहीं होगा।

तनाव के बीच आईपीएल 2025 फिर 16 मई से शुरू होगा

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 एक बार फिर से शुरू होने वाला है। जानकारी सामने आई कि आईपीएल को 16 मई तक शुरू किया जा सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 30 मई या 1 जून को होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया कि बाकी मैच अलग-अलग जगहों पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत

लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से होगी। टीमों ने अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। लखनऊ का एकाना स्टेडियम मैच के लिए तैयार हो रहा है। लखनऊ की टीम 13 मई तक जमा हो जाएगी। हैदराबाद में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर होने की संभावना है। कोलकाता में क्वालिफायर 2 और फाइनल हो सकता है। अगर मौसम खराब रहा, तो फाइनल को अहमदाबाद में शिफ्ट किया जा सकता है। बीसीसीआई जल्द ही नया शेड्यूल जारी करेगा। पहले, 9 मई को, बीसीसीआई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए टाल दिया था।

तनाव के कारण बंद किए गए 32 एयरपोर्ट फिर से चालू किए गए

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 15 मई 2025 के 05:29 बजे तक नागरिक विमान परिचालन के लिए 32 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करने के लिए संदर्भ सूचना जारी की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बंद किए देश के 32 एयरपोर्ट्स को अब खोल दिया गया है। 5 दिनों के बाद इन एयरपोर्ट्स से फिर उड़ाने शुरू हो गई। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 15 मई 2025 के 05:29 बजे तक नागरिक विमान परिचालन के लिए 32 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करने के लिए संदर्भ सूचना जारी की गई थी।

सूचित किया जाता है कि ये हवाई अड्डे अब तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान परिचालन के लिए उपलब्ध हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे सीधे एयरलाइनों से उड़ान की स्थिति की जांच करें और नियमित अपडेट के लिए एयरलाइन की वेबसाइटों की निगरानी करें। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर पिछले हफ्ते नागरिक उड़ान परिचालन के लिए इन 32 हवाई अड्डों को बंद कर दिया गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति के कारण श्रीनगर और अमृतसर सहित उत्तर तथा पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों से नागरिक उड़ान परिचालन 9 मई से 15 मई तक निलंबित कर दिया गया था।

डीजीएमओ की बातचीत से पहले हलचल तेज

पीएम मोदी के साथ तीनों सेना प्रमुखों की हाई लेवल बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच निर्धारित वार्ता से पहले एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हुए. बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेना प्रमुख भी शामिल हुए। पीएम मोदी 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले पर देश की सैन्य और कूटनीतिक प्रतिक्रिया में शामिल शीर्ष सरकारी पदाधिकारियों के साथ नियमित बैठक कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ने गत शनिवार को तत्काल प्रभाव से जमीन, हवा और समुद्र में सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक समझौते पर पहुंचने की घोषणा की। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) स्तर की वार्ता सोमवार शाम को होनी है।

पीएम ने आतंकियों को सजा देने के वादे को पूरा किया: भाजपा

दूसरी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल रहे आतंकवादियों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा देने और उनके सुरक्षित ठिकानों को तबाह करने का अपना वादा पूरा किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया था कि भारत आतंकवादियों को उनके घरों में घुसकर मारेगा और आतंकी ठिकानों को नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के फैसले और हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस ने आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया है। यह मोदी का वादा था। पात्रा ने कहा कि छह-सात मई की रात शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर ने अपने शत प्रतिशत लक्ष्यों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भारत ने जिस तरह की सैन्य और गैर-सैन्य कार्रवाई की है, वह अभूतपूर्व है और इसने आतंकवाद के खिलाफ उसके युद्ध में एक निर्णायक संदेश दिया है।

भगवान बुद्ध की बातों का अनुसरण करने वाला एकमात्र देश है भारत: मुख्यमंत्री

समता मूलक समाज, प्रेम ,करुणा और सत्य की आधारशिला पर ही समाज तरक्की संभव

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उज्जैन मे अशोक बुद्ध विहार मे बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर भगवान् गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. भारतीय बौद्ध महासभा उज्जैन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, सभापति श्री मति कलावती यादव भाजपा अध्यक्ष संजय अग्रवाल, आदि उपस्थित रहे.

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा की भगवान बुद्ध की कृपा हम सब पर बनी रहे,

भगवान बुद्ध ने हमें जीवन में शांति, प्रेम, करुणा पर चलने का सिद्धांत दिया है उसका अनुसरण करके हम विश्व को जीत सकते हैं विश्व शांति का जो संदेश गौतम बुद्ध द्वारा दिया गया वो आज भी सार्थक है.

भगवान गौतम बुद्ध के विश्व में सबसे ज्यादा अनुयायी है भगवान बुद्ध द्वारा बताये गए मार्ग का पालन करने वाला एकमात्र देश भारत है7 विश्व बंधुत्व और सबके कल्याण की भावना , हमारे लिए प्राथमिकता है

कोविड महामारी के समय हमने 40 से अधिक देशों की सहायता की है विश्व बंधुत्व का भाव लेकर चलने वाला देश केवल भारत ही है.

भगवान बुद्ध और बाबासाहेब अंबेडकर के द्वारा दिए गए सिद्धांतों से आज भारत पूरे विश्व में एक अलग स्थान रखता है भगवान बुद्ध ने आज से ढाई हजार साल पहले जो बातें कही थी वह दुनिया के लिए आज भी अनुकरणीय है ,

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा की भगवान बुद्ध के जीवन से ज्ञान लेकर हम सारे भारतीय आगे बढ़ रहे हैं और विश्व बंधुत्व को अपनाते हुए प्रेम ,,करुणा, सत्य, समता के भाव को आगे बढा रहे है.

भगवान् बुद्ध राज-पाट छोड़कर जब ज्ञान की खोज मे निकले थे और कठिन तप के बाद जो ज्ञान विश्व को दिया , उसका अनुसरण ही हम सबका उदेश्य होना चाहिए.

उज्जैन में सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा की

कुंभ मध्यप्रदेश ही नहीं, पूरे विश्व की शान; धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा: मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज उज्जैन में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। विक्रमादित्य संकुल भवन में उज्जैन-इंदौर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सिंहस्थ 2028 की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2028 में सिंहस्थ कुंभ का आयोजन होना है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न विभागों के कार्यों को स्वीकृति दी जा चुकी है। ओंकारेश्वर, महेश्वर, पशुपतिनाथ, नलखेड़ा, भोपाल से लेकर पूरे मालवा क्षेत्र तक के कार्यों को सिंहस्थ कार्य-क्षेत्र मानते हुए योजनाएं तैयार की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ÷सिंहस्थ केवल मध्यप्रदेश का नहीं, बल्कि पूरे विश्व की शान है। इसके लिए बनाई गई सभी योजनाओं की समीक्षा की गई है। हमारा उद्देश्य है कि सिंहस्थ के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले और इस आयोजन का लाभ लंबे समय तक आमजन तक पहुंचे।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की राजनीतिक सामाजिक और सामरिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है: राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ब्रह्मोस एकीकरण और परीक्षण सुविधा केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा, ऑपरेशन सिंदूर न सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक था। उन्होंने इस ऑपरेशन को आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सशस्त्र बलों की क्षमता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन बताया, जिसने उन निर्दोष परिवारों को न्याय सुनिश्चित किया, जिन्होंने भारतीय धरती पर भारत विरोधी और आतंकवादी संगठनों के हाथों अपने प्रियजनों को खो दिया था।

बस ने 8 गाड़ियों को टक्कर मारी, डॉक्टर की मौत

भोपाल में ट्रैफिक सिग्नल पर हादसा, 6 घायल, ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित हुई थी

भोपाल। भोपाल के बाणगंगा चौराहे पर स्कूल बस ने 8 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में इंटर्नशिप कर रही लेडी डॉक्टर की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हैं। दो की हालत गंभीर है। बताया गया है कि बस के ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ है। इसका वीडियो भी सामने आया है। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला।

आयशा खान, मृतक

बस की टक्कर से उछली डॉक्टर, 50 फीट तक घिसटी- वीडियो में दिख रहा है कि रेड सिग्नल के दौरान बाणगंगा चौराहे पर गाड़ियां आकर रुकीं। इसी दौरान एक स्कूल बस पीछे से तेज रफ्तार में आई और आगे खड़ी गाड़ियों को कुचलते हुए बढ़ गई। बस के ठीक सामने खड़ी स्कूटी पर बैठी युवती उसकी टक्कर से उछली। वह स्कूटी समेत बस के अगले हिस्से में फंस गई। करीब 50 फीट तक घिसटने के बाद स्कूटी बस के अगले हिस्से से निकली तो युवती अगले पहिए के नीचे आ गई।

भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। कोहली ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स के जरिये संन्यास की घोषणा की। विराट कोहली ने 123 टेस्ट में 30 शतक और 31 अर्धशतकों की मदद से 9230 रन बनाए। उन्होंने 2011

में टेस्ट डेब्यू किया था। बता दें कि रोहित शर्मा के बाद विराट कोहली ने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट संन्यास की घोषणा की। इससे तय हो गया है कि इंग्लैंड दौरे पर नई भारतीय टीम जाएगी। कुछ ही समय पहले रिपोर्ट्स आई थी कि विराट कोहली इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का मन बना चुके हैं। तब कुछ दिग्गज क्रिकेटरों ने उन्हें इंग्लैंड सीरीज तक खेल जारी रखने की अपील की थी। कोहली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्ल्यू पहने हुए 14 साल हो चुके हैं। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि यह प्रारूप मुझे किस सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें जीवनभर अपने साथ रखूंगा। विराट कोहली ने ऐसे समय संन्यास की घोषणा की है जब कुछ ही दिन पहले रोहित शर्मा ने भी क्रिकेट के इस सबसे लंबे प्रारूप को अलविदा कह दिया था। विराट कोहली पहले ही टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। इसका मतलब है कि कोहली अब रोहित की तरह सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते नजर आएंगे।

एशियाई पत्रकारों के नेता के. विक्रम का निधन

भोपाल। देश-दुनिया के पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को एकजुट कर उनके हक की लड़ाई की परंपरा को धार देने वाले इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डाक्टर के विक्रम राव का निधन हो गया। आठ दशक से निरंतर चलने वाला कलम खामोश हो गया। सांस संबंधित समस्या के बाद आज तड़के उन्हें लखनऊ के एक अस्पताल ले जाया गया जहां कलम के इस सिपाही ने ज़िन्दगी से हार मान ली। मीडिया कर्मियों की आवाज विश्वभर में बुलंद करने वाले राव साहब के जाने से आईएफडब्ल्यूजे यतीम हो गया। कई देशों में फैली पत्रकार यूनियन चलाने के साथ उनका कलम भी निरंतर चलता रहा था।

आईएएस एसोसिएशन समेत कई समर्थन में आए, युद्ध विराम की घोषणा पर विदेश सचिव को ट्रोल करना गलत

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा पाकिस्तान के साथ युद्ध विराम की घोषणा करने के बाद दक्षिणपंथी समूहों ने उन पर लगातार निशाना साधा और ट्रोल किया। मिसरी भारत-पाकिस्तान तनाव और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सरकार के मुख्य संदेशवाहक रहे हैं, उन्हें बेवजह ऑनलाइन ट्रोल किया गया। युद्ध विराम से नाखुश नासमझ लोग इसे भारत सरकार की 'कायरता' के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने उन्हें कमजोर, देशद्रोही और 'राष्टीय शर्म' तक कहा। यहाँ तक कि विक्रम मिसरी की बेटी को भी निशाने पर लिया। परेशान होकर रविवार को विदेश सचिव ने अपने 'एक्स' अकाउंट की स्थिति को सार्वजनिक से बदलकर संरक्षित (प्राइवेट) कर दिया। इस ट्रोलिंग का आईएएस और आईपीएस अधिकारियों, विपक्षी नेताओं, पूर्व राजनयिकों और पत्रकारों के शीर्ष संगठनों ने विरोध किया और विदेश सचिव विक्रम मिसरी का समर्थन किया है।

9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए- विक्रम मिसरी 1989 बैच के आईएफएस अधिकारी हैं और वे 7 मई से चल रहे भारत-पाकिस्तान तनाव में भारतीय पक्ष का चेहरा रहे हैं। जब भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए थे। वे रोज देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान की गोलाबारी और ड्रोन गतिविधि के घटनाक्रमों के बारे में मीडिया पर बताते रहे हैं। विक्रम मिसरी को तीन प्रधानमंत्रियों आईके गुजराल, मनमोहन सिंह और नरेन्द्र मोदी के निजी सचिव के रूप में सेवा करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है। शनिवार को जब भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ युद्धविराम समझौते की घोषणा की, तो वे उन लोगों के निशाने पर आ गए, जो इसे देश की कमजोरी समझ रहे हैं। ट्रोलिंग कई घंटों तक लगातार जारी रही, इसलिए जल्द ही राजनेताओं, पूर्व राजनयिकों और पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में लोग मिसरी के बचाव में सामने आए और उन्होंने बताया कि भारतीय लोकतंत्र में निर्णय राजनीतिक कार्यपालिका लेती है।

कांग्रेस नेता ने ट्रोलिंग को गलत कहा- कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया 'मैं विदेश सचिव विक्रममिसरी के परिवार को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने की निंदा करता हूं। हमारे पेशेवर राजनयिकों और सिविल सेवकों को निशाना बनाना अस्वीकार्य है, जो राष्ट की सेवा के लिए समर्पित रूप से काम करते हैं। विदेश सचिव के अलावा, उनकी बेटी दीदोन मिसरी, जो कानून की स्नातक हैं, को 'भारत में रोहिंग्या मुसलमानों को कानूनी सहायता प्रदान करने' के लिए तीखे तरीके से निशाना बनाया गया।

समर्थन में साथ खड़ा आईएएस एसोसिएशन

आईएएस (केंद्रीय) एसोसिएशन ने लिखा 'आईएएस एसोसिएशन विदेश सचिव श्री विक्रम मिसरी और उनके परिवार के साथ एकजुटता में खड़ा है। ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करने वाले सिविल सेवकों पर अनुचित व्यक्तिगत हमले बेहद खेदजनक हैं। हम सार्वजनिक सेवा की गरिमा को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।' निरुपमा राव और नवदीप पुरी जैसे पूर्व राजनयिक भी मिसरी के समर्थन में सामने आए।आईपीएस (सेंट्रल) एसोसिएशन ने भी एक्स पर पोस्ट किया कि वह मिसरी और उनके परिवार पर 'निन्दनीय व्यक्तिगत हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा करता है।

ईमानदार और मेहनती राजनयिक

अल-एमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने 'एक्स' पर लिखा विक्रम मिसरी एक सभ्य और ईमानदार, मेहनती राजनयिक हैं जो हमारे देश के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमारे सिविल सेवक कार्यपालिका के अधीन काम करते हैं, यह याद रखना चाहिए और उन्हें कार्यपालिका या वतन-ए-अजीज को चलाने वाले किसी भी राजनीतिक नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णयों के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए।

नव युवक परिषद द्वारा निर्धन मेधावी विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

परमहंस संत हिरदाराम साहिबजी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के मार्गदर्शन में संचालित नव युवक परिषद द्वारा सत्र 2025-26 हेतु निर्धन एवं मेधावी विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। इस पहल के अंतर्गत दिनांक 11 एवं 12 मई को 1800 से अधिक विद्यार्थियों को सामग्री प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रम का शुभारंभ परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी द्वारा किया गया। परिषद के पदाधिकारियों श्री हीरो ज्ञानचंदानी एवं श्री महेश दयारामानी ने बताया कि परिषद की स्थापना 1978 में हुई थी, और तब से अब तक 12000 से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा में सहायता प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में परिषद 1864 विद्यार्थियों को नर्सरी से लेकर स्नातकोत्तर तक शैक्षणिक सहयोग एवं निःशुल्क कोचिंग दे रही है।

वितरण कार्यक्रम सेवाधारी श्री अशोक चैनानी के मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। इस अवसर पर परिषद के कार्यकर्ता श्री विजय फबयानी, श्री कन्हैया रामनानी, श्री थांवर वरलानी, श्री मनोहर शेवानी, श्री मनोहर वासवानी, श्री लखन भागचंदानी एवं श्री पंकज गुरमलानी की विशेष उपस्थिति रही।

कोचिंग कक्षाओं से जुड़ी शिक्षिकाओं श्रीमती प्रीति आहूजा, श्रीमती किरण अधिकारी एवं अन्य स्वयंसेवकों का योगदान भी सराहनीय रहा। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए एक संबल है, बल्कि समाज के प्रति परिषद की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है।

मिले सुर मेरा तुम्हारा में दी सुरीली प्रस्तुतियां

भोपाल। आई टी आई आडिटोरियम गोविंदपुरा भोपाल में आयोजित मिले सुर मेरा तुम्हारा 3 बहुत भव्यता के साथ संपन्न हुआ, कार्यक्रम के आयोजक अनिल गर्दे ने बताया कि दर्शकों से खचाखच भरे हाल में देर रात तक सुरीली प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया, कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ, उसके बाद 30 कलाकारों ने लगभग 40 विभिन्न रंगों से सजे गीत प्रस्तुत किए. कार्यक्रम लाइव आर्केस्ट्रा के साथ था जिससे सभी श्रोता, दर्शक झूम उठे, कार्यक्रम के अंत में श्री किशन पाहुजा ने आभार प्रदर्शन किया. सुर सरगम संगीत परिवार सभी उपस्थित श्रोताओं, विशिष्ट अतिथियों और कलाकारों, वादकों का हार्दिक आभार व्यक्त करता है

भोपाल में जुटे विशेषज्ञ डॉक्टरों ने की पेट और लिवर की नसों से जुड़ी बीमारियों पर गहन चर्चा

लिवर, ब्लीडिंग और वेसकुलर डिजीज़ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित 10वीं वार्षिक गैस्ट्रो कॉन्फ्रेंस वैसोकॉन 2025 का सफल आयोजन 10-11 मई 2025 को हुआ। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और गैस्ट्रोकैन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा किया गया, जिसका प्रमुख विषय था वेसकुलर इवेंट्स इन एंड लिवर अर्ली डिटेक्शन, बेटर मैनेजमेंट। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में देशभर के 40 से अधिक वरिष्ठ चिकित्सकों, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट्स, सर्जनों, रेडियोलॉजिस्ट्स और एंडोस्कोपिस्ट्स ने भाग लिया। डॉ. एस.के. आचार्य,भुवनेश्वर की अध्यक्षता में अत्याधुनिक व्याख्यान पीटी आईएनआर-उपयोगिता और चेतावनियाँ, क्या बीटी सीटी एपीटीटी अभी भी प्रासंगिक हैं, चर्चा हुई, जिसने भाग लिया डॉ.वी.के.भारद्वाज, डॉ.रमेश माधव, डॉ.संजय पंत डॉ.रीता सिंह सक्सेना, भोपाल ने। डॉ. प्रवीण शर्मा की अध?यक्षता में टेग/रोटेम परीक्षणों का व्यवहार में सर्वोत्तम उपयोग कैसे करें, चर्चा में डॉ.राजेश भागचंदानी, डॉ.अमित सिंह, डॉ.शिल्पा तिवारी एवं डॉ.मनल अशरफ अली, भोपाल ने भाग लिया ।ई-पोस्टर सत्र का विषय था व्याख्यान एक साथ जारी रहेंगे, जिसके जज डॉ.एस.के.आचार्य,भुवनेश्वर, डॉ. सी.सी.चौबल, भोपाल, डॉ. अचल गुप्ता, ग्वालियर थ । कार्यक्रम संयोजक डॉ. संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की थीम बेहद विशेष थी क्योंकि वेसकुलर बीमारियाँ, विशेषकर पेट और लिवर से जुड़ी, बहुत गंभीर होती हैं और उनका जल्द निदान और समुचित उपचार जीवनरक्षक सिद्ध हो सकता है। इस विषय पर देशभर के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए और प्रबंधन की नई तकनीकों पर चर्चा की। यशोदा हॉस्पिटल, सिकंदराबाद से आए डॉ. पवन के. अदला ने बताया कि वेसकुलर समस्याएँ आम तो हैं लेकिन उनका प्रबंधन बेहद जटिल होता है। इनमें से कई बीमारियाँ क्रॉनिक लिवर डिजीज से जुड़ी होती हैं। इस सम्मेलन में इन रोगों के मेडिकल, रेडियोलॉजिकल, एंडोस्कोपिक और सर्जिकल प्रबंधन पर गहन चर्चा हुई। उन्होंने यह भी कहा कि अनेक स्थितियों में मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है और यह सम्मेलन सभी के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल से आए डॉ. प्रवीण शर्मा ने बताया कि लिवर हमारे शरीर में ब्लीडिंग को रोकने के लिए क्लॉटिंग फैक्टर बनाता है। जब लिवर खराब हो जाता है, तो अंदरूनी ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है, जिसे मल के रंग से पहचाना जाता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एपिस्टैक्सिस (नाक से खून आना) गर्मियों में होने वाली एक स्थानीय समस्या है और इसका लिवर से कोई संबंध नहीं होता। गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी से आए डॉ. राजेश पुरी ने कहा कि डॉ. संजय कुमार द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाने वाली यह कॉन्फ्रेंस इस बार खास इसलिए रही क्योंकि यह पूरी तरह से तड्ढ ब्लीडिंग और उससे संबंधित कारणों जैसे सिरोसिस, पेन किलर के अत्यधिक सेवन और हानिकारक बैक्टीरिया के कारण होने वाले अल्सर पर केंद्रित थी। भुवनेश्वर से आए डॉ. एस.के. आचार्य ने बताया कि आम लोगों में यह गलत धारणा है कि पाचन से जुड़ी समस्याएँ कभी ठीक नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा कि कुछ समस्याओं को ठीक होने में समय ज़रूर लगता है, लेकिन वे पूरी तरह ठीक की जा सकती हैं। उन्होंने फैटी लिवर के बढ़ते मामलों पर भी चिंता जताई और बताया कि अत्यधिक भोजन, व्यायाम की कमी, जंक फूड का सेवन और खराब जीवनशैली इसके प्रमुख कारण हैं, जिससे अचानक शुगर लेवल बढ़ जाता है।

भगवान नरसिंह का संध्या काल में किया विशेष पूजन

भोपाल। दादाजी धाम मंदिर में रविवार को भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह भगवान का संध्या काल जब दिन रात दोनों नहीं के समय विशेष पूजन पुरुष सूक्त नरसिंह स्त्रोत्र, हवन, आरती उपस्थित सभी भक्तों द्वारा किया गया। उसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर में आज गर्भगृह परिक्रमा में विराजमान भगवान बुद्ध का जन्मोत्सव प्रात: पूजन, हवन ,आरती के मनाया जा रहा है जिसमें वर्धमान सिटी पटेल नगर एवं सिद्धार्थ लेक सिटी के भक्तगण उपस्थित रहे।

जल्द लॉन्च होगा ऑनलाइन निगरानी तंत्र:अवैध उत्खनन पर अब रख सकेंगे आसमान से भी नजर

भोपाल। मप्र में जल्द ही रेत सहित कई तरह के खनन पर अब तकनीक की मदद से नजर रखी जाएगी। इसके लिए खनिज विभाग ने 7500 से अधिक खदानों की जियो टैगिंग कर दी है। कहीं भी स्वीकृत खनन क्षेत्र से आगे जाकर खुदाई हुई तो सैटेलाइट इमेज की मदद से अलर्ट जारी होगा, जो खनन विभाग और जिला प्रशासन को मिल जाएगा। खनिज विभाग ने सिस्टम तैयार कर लिया है और इसे जल्द लॉन्च किया जाएगा। पूरा सिस्टम सैटेलाइट इमेज और रिमोट सेंसिंग तकनीक पर काम करेगा। जियो टैगिंग होने से खनन क्षेत्र स्पष्ट तौर पर सैटेलाइट इमेज में दिखाई देगा। नियमित अंतराल पर सैटेलाइट इमेज देखकर कंट्रोल रूम में समीक्षा होगी। इस सिस्टम में खनन क्षेत्र की 500 मीटर परिधि में कोई भी असामान्य गतिविधि ट्रैप हो जाएगी। साथ ही रेत जैसे खनिजों के मामले में भंडार पर नजर रखी जाएगी। देखा जाएगा कि जितनी ईटीपी जारी हुई है, उसी के अनुपात में रेत की निकासी भंडार से हुई है या नहीं।

एक शाम सुरों के नाम

भोपाल। सुरों से सराबोर मधुर याद गार गीतों की संगीत संध्या,12 मई सोमवार ,रविन्द्र भवन .अंजनी सभागार. भोपाल संगीतमय कार्यक्रम में प्रदेश व शहर भोपाल के चुनिंदा सर्वश्रेष्ठ संगीतकार एवं गायक गायिकाओं की यादगार शाम आप के नाम .समय शाम छै बजे .लाईव म्यूजिशियनस के साथ अद्भुत प्रस्तुतीकरण का आनंद लेने अवश्य पधारें! आप सब की प्रतीक्षा में सुर दर्पण परिवार, संजीव सचदेव, केदार सिंह चौहान, संजीव झा, प्रतिमा गोस्वामी, नैना जैन, मैम शिवानी शैड्य, आयुषी स्वामी, आयोजक संयोजक मार्गदर्शक टीम के सभी वरिष्ठतम सम्मा ननीय सदस्य गण संदीप दुबे प्रज़ेन्ट्स सुनील तेलंग, बिप्लव मोइत्रा, प्रदीप शर्मा एडवोकेट भोपाल

इंसानियत का धर्म, नाटक का विक्रमादित्य कॉलेज प्रांगण में हुआ प्रभावशाली मंचन

भोपाल। विक्रमादित्य कॉलेज प्रांगण, रातीबड़,भोपाल में माता की भव्य चौकी एवं ज्योतिष सम्मान समारोह के अवसर पर रिफ्लेक्शन सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट एंड कल्चर द्वारा प्रस्तुत नाटक 'इंसानियत का धर्म' ने दर्शकों को गहराई से भावविभोर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संरक्षक आदरणीय श्री रामेश्वर शर्मा जी रहे, जो वर्तमान में मध्यप्रदेश विधानसभा के वरिष्ठ विधायक हैं। आयोजन में माता की मंगलमयी चौकी, विशिष्ट अतिथियों एवं समाज सेवियों का सम्मान, ज्योतिषीय साधकों की उपस्थिति, शक्ति भजन संध्या, भव्य पूजन एवं महाआरती, तथा भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। 'इंसानियत का धर्म' नाटक की कहानी कश्मीर में घटित एक काल्पनिक लेकिन मार्मिक घटना पर आधारित थी। इसमें दिखाया गया कि जब देशभर से पर्यटक कश्मीर घूमने आते हैं, तब वहाँ एक आतंकी हमला होता है जिसमें निर्दोष लोगों की जान जाती है। लेकिन इस त्रासदी के बाद वहाँ की आम जनता एकजुट होकर आतंकवादियों का डटकर सामना करती है और उन्हें खदेड़ देती है। यह दृश्य दर्शकों को यह संदेश देता है कि इंसानियत ही असली धर्म है, और किसी भी प्रकार के धार्मिक विवाद या कट्टरता को समाज में स्थान नहीं देना चाहिए।

बुद्ध पूर्णिमा - आत्म ज्ञान प्राप्त करने के लिए सर्वोत्तम विधि है ध्यान , संकल्प लें योग करके हम सब बुद्ध हो जायें - योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग गुरु अग्रवाल ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनायें देते हुए कहा कि आत्म ज्ञान प्राप्त करने की सर्वोत्तम विधि है ध्यान, आज हम सब संकल्प लें योग करके बुद्ध हो जाने का। भगवान बुद्ध की वाणी बुद्धं शरणं गच्छामि। धम्मं शरणं गच्छामि। संघ शरणं गच्छामि। मैं बुद्ध की शरण में जाता हूँ। मैं धर्म की शरण में जाता हूँ। मैं संघ की शरण में जाता हूँ। का ध्यान करने से अलौकिक शांति की प्राप्ति होती है। भगवान बुद्ध दुनिया का एक रहस्य हैं। भगवान बुद्ध ने चेतना के शिखर को छुआ एवं पूरा जीवन सत्य की खोज और निर्वाण को प्राप्त करने में लगा दिया, उन्होंने मानव मनोविज्ञान और दु:ख के हर पहलू पर कहा और उसके समाधान बताए । वे केवल %एशिया की ज्योति% ही नहीं थे, अपितु सारे 'संसार की ज्योति% थे। मानवता के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक उन्नयन के लिए उनका अवधान महान् तथा अपरिमेय है। उनके जीवन एवं उपदेशों ने लोगों के दैनंदिन जीवन तथा चिन्तन को प्रभावित किया है।योग गुरु अग्रवाल नें इस अवसर पर आन्तरिक अनुभूति का जागरण के बारे में बताया कि शरीर, मन और बुद्धि के परे हममें से प्रत्येक व्यक्ति में एक आस्था है, एक शक्ति है और एक प्रकाश है जिसका एहसास हमें नहीं हो पाता। हम उसको अपने अनुभव में नहीं ला पाते। योग का उद्देश्य अपने केन्द्र को जानना है।

गोंड कला मध्य भारत के गोंड आदिवासी समुदाय की एक प्रसिद्ध कला : सुशील कुमार

भोपाल। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि भोपाल के रविन्द्र भवन में इन दिनों जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव लगाया है। यह 11 मई तक चलेगा। देश रत्न अवार्ड से सम्मानित मिथलेश श्याम ग्राम पाटन गढ़ जिला डिंडोरी मध्यप्रदेश से जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव भोपाल में आए है और आपने बताया कि 2006 से गोंड चित्र बनाना शुरू और अब लगभग 15 साल के बाद उनकी मेहनत रंग लाई और अपने गांव ओर गोंड कला नाम देश विदेश में रोशन किया। इस में आदि शिल्प, जनजातीय व्यंजन के साथ जनजातीय नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुति भी होगी। यहां पर झाबुआ, उमरिया, डिंडोरी , शहडोल, मंडला से आए विभिन्न जनजातीय कलाकारों द्वारा गोंड कलाकृति का सर्वश्रेष्ठ संकलन विक्रय के लिए उपलब्ध है,आदिवासियों द्वारा लकड़ी पर की गई विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां, साड़ी , शाल, पर उकेरी गई गोंड कृति भी आने वाले जिज्ञासु लोगों को प्रभावित कर रही हैं। गोंड कला मध्य भारत के गोंड आदिवासी समुदाय की एक प्रसिद्ध कला है जिसमें न केवल चित्रकारी शामिल है बल्कि लोक नृत्य, गीत और प्रदर्शन भी शामिल हैं। गोंड आदिवासी समुदाय की संस्कृति को संरक्षित और संप्रेषित करने के लिए निरन्तर प्रयास जारी हैं । गोंड चित्रकला में प्रकृति, पौराणिक कथाएँ, लोककथाएँ, हिंदू देवता, स्थानीय देवता, और जानवरों और पौधों के दृश्य शामिल होते हैं.गोंड चित्रकला की विशेषता है इसमें जीवंत रंगों का उपयोग कर जटिल पैटर्न और प्रकृति से प्रेरित रूपांकन किया जाता हैं ,गोंड चित्रकला में, प्राकृतिक सामग्री जैसे लकड़ी का कोयला, रंगीन मिट्टी, पौधों का रस, और पत्तियों का उपयोग रंग बनाने के लिए किया जाता है, गोंड चित्रकला में, रेखाओं का उपयोग एक तरह से किया जाता है कि वे स्थिर चित्रों को गति का आभास कराती हैं. गोंड चित्रकला की शुरुआत गोंड समुदाय के घरों की दीवारों और फर्श पर भित्तिचित्रों के रूप में हुई थी, जो आज कैनवास और कागज पर चित्रित होने लगी.गोंड चित्रकला को अप्रैल 2023 में जीआई टैग मिला, जिससे इस कला को अधिक मान्यता और संरक्षण प्राप्त हुआ है.गोंड चित्रकला का अभ्यास भारत के मध्य प्रदेश के गोंड जनजाति द्वारा किया जाता है.

सेवा भारती द्वारा गोद भराई और नि:शुल्क हीमोग्लोबिन की जांच कर दवाइयों का वितरण

भोपाल। सेवा भारती द्वारा मजदूर परिवार की गर्भवती महिलाओं के लिए हीमोग्लोबिन की जाँच, दवा वितरण कर गोद भराई कार्यक्रम साकेत मंडल अंतर्गत बागमुगलिया केंद्र में किया गया। स्व. विष्णु कुमार के छाया चित्र पर पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. राम अवतार यादव ने कहा कि हमारा मूल उद्देश्य, ए.एन.सी, टीकाकरण, पोषण आहार को बढ़ावा देना है ताकि जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ रहें। कार्यक्रम में 21 गर्भवती महिलाओं को सेवा भारती की ओर से साड़ी, फल, नारियल, श्रृंगार सामग्री और आयरन, केल्शियम के सिरप भेंट स्वरूप दिए गए। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया की सेवा भारती सभी वर्ग के परिवारों के साथ है जो संस्थागत प्रसव में वृद्धि के साथ मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी हेतु प्रयत्नशील है। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश अग्रवाल, श्रीकांत, गीतांजलि शुक्ला, सिमरन,सीमा हाजरा, सुनीता यादव, सुमन आदि का सहयोग रहा।

लायन क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के निर्वाचन संपन्न

भोपाल। लायन महेश मालवीय प्रथम वाईस गर्वनर निर्वाचित, संजय गुप्ता एडवोकेट पी.आर.ओ. मनोनीत भोपाल, लायन क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के निर्वाचन संपन्न हुये एवं उपरोक्त निर्वाचन में भोपाल के महेशमालवीय प्रथम वाईस डिस्ट्रिक्ट गर्वनर के पद पर निर्वाचितहुये ।लायन क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर के पद परउज्जैन के श्री प्रवीण वशिष्ठ निर्वाचित हुये एवं उन्होंनेंनिर्वाचन के पश्चात भोपाल के लायन संजय गुप्ता एडवोकेटको डिस्ट्रिक्ट के पी.आर.ओ. पद पर नियुक्त किया गया है ।महेश मालवीय एवं संजय गुप्ता एडवोकेट को लायन्सक्लब के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गर्वनर परमानंद राजानी, बी.सी.जैन,जयपाल सचदेवा, कमल भण्डारी, जे.पी.एस.जौहर, डॉ. पीसी.कोठारी, रवि सक्सेना, अनिल बाखरू, प्रकाश बच्चानी,ने बधाई पेश की।

अंतरराष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा को 5 साल का कठोर कारावास

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा को 9 साल की जाँच के बाद ट्रॉयल कोर्ट नर्मदापुरम ने 9 मई, 2025 को सुनवाई के बाद 5 साल के कठोर कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। तस्कर तासी शेरपा को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल में 25 जनवरी, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में जुलाई-2015 में बाघ के अवैध शिकार और बाघ की हड्डियों की चीन में अवैध तस्करी के प्रकरण में अपराधी तस्कर तासी शेरपा को स्टेट टाइगर फोर्स को विवेचना के लिये सौंपा गया था। स्टेट टाइगर फोर्स ने एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी नर्मदापुरम ने 27 आरोपियों को दोषी ठहराया था। स्टेट टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक विवेचना करते हुए तासी शेरपा के ब्रेन मेपिंग और नार्को एनालिसिस करवाया। इससे उसके खिलाफ महत्वूर्ण सबूत मिले, जिसके अतिरिक्त साइबर डेटा भी एकत्रित कर न्यायालय में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में पेश किया गया। जाँच के दौरान एसटीएसएफ ने इंटरपोल, वन्य-जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सहायता भी ली गयी। तासी शेरपा अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्करी गिरोह की महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका नेटवर्क भारत, नेपाल, भूटान और चीन तक फैला हुआ है। तासी शेरपा मूल रूप से तिब्बत का निवासी है। शेरपा की जमानत को मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय जबलपुर ने खारिज कर दिया था। इसके बाद जुलाई-2024 में उसके द्वारा सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में जमानत याचिका दायर की गयी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने भी याचिका को खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ट्रॉयल कोर्ट को एक साल के भीतर ट्रॉयल पूरा करने के निर्देश दिये थे। यह देश का पहला मामला है, जिसमें शिकारियों, कुरियर, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 व्यक्तियों के पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर दोषी ठहराया गया। इसमें एक अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर तासी शेरपा पर सफलतापूर्वक मुकदमा चलाकर दोषी ठहराया गया। इस कार्य में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नर्मदापुरम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मानसून के पहले सभी नाले नालियों का वृहद सफाई अभियान

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल शहर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई अभियान अंतर्गत नरेला विधानसभा के प्रभात चौराहे पर ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मानसून में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए वृहद रूप से सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भोपाल शहर के सभी नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी। साथ ही नालों में लोग कचरा न डालें इसके लिए जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भोपाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रोत्साहन राशि की घोषणा का परिणाम 77.74 लाख मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा के परिणामस्वरूप इस वर्ष लगभग 9 लाख किसानों से 77 लाख 74 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष 48 लाख 38 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ था। मंत्री राजपूत ने किसानों के हित में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिये गये बोनस पर उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि गेहूँ के उपार्जन में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि किसानों से उपार्जित गेहूँ में से 73 लाख 51 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण भी किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक लगभग 17 हजार 870 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया गया है।

युवाओं को रोजगार देकर स्वावलंबी प्रदेश बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर में महापौर मेगा रोजगार मेले में 150 से अधिक कंपनियों ने दिए रोजगार के अवसर, 20 हजार युवाओं ने कराया पंजीयन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे राज्य का युवा सक्षम, योग्य और आत्म-निर्भर बने यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि रोजगार और स्वरोजगार देकर स्वावलम्बी समाज और स्वावलम्बी प्रदेश बनाया जाये। इस दिशा में हम तेजी से लगातार आगे बढ़ रहे है। प्रदेश में हर क्षेत्र में रोजगार सृजन के लिये तेजी से प्रयास किये जा रहे है, चाहे वह परम्परागत दुग्ध पालन का क्षेत्र हो या आधुनिक आईटी का क्षेत्र। प्रदेश में रोजगार आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिये इंड्रस्टी कॉन्क्लेव व्यापक स्तर पर आयोजित की गई। इसके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज रविवार को दशहरा मैदान, इंदौर में आयोजित महापौर मेगा रोजगार मेला के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोजगार मेले को मिले बेहतर प्रतिसाद की सराहना की और कहा कि ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से सरकार और प्रशासन युवाओं को अवसर, मंच और मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। उन्होंने युवाओं को रोजगार देने की दिशा में इंदौर जिले में हर एक पंचायत में स्थापित किये गये उद्योग लगाने के अभियान की भी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि इंदौर जिले में अभियान चलाकर सभी पंचायतों में उद्योग स्थापित कराने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से कहा कि आज का युग कौशल का है। डिग्री के साथ व्यवहारिक ज्ञान और संवाद कौशल भी ज़रूरी हैं। मुझे गर्व है कि इंदौर ने इस दिशा में एक अनुकरणीय पहल की है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे इन अवसरों का लाभ उठाएँ और अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएँ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत-पाकिस्तान संबंधों और सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर कहा कि देश अब पहले जैसा नहीं रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी शक्ति, रणनीति और तकनीकी क्षमता से यह सिद्ध कर दिया है कि हम शांति चाहते हैं, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर करारा जवाब देना भी जानते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने एक नई दिशा प्राप्त की है। आज भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई भारत को छेड़ने की गलती करता है, तो उसे हम कभी छोड़ते नहीं हैं। हमारी सेनाएं अब पारंपरिक युद्ध पद्धतियों से आगे बढ़कर अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रही हैं। इससे दुश्मनों को हर मोर्चे पर जवाब दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत की रक्षा नीति की तुलना 'नए युग के नए भारत' से करते हुए कहा कि यह वही भारत है जो संयम रखता है, परंतु आवश्यकता होने पर शौर्य और पराक्रम का परिचय देने में पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आत्म-निर्भरता की दिशा में भी तेज़ी से अग्रसर है, चाहे वह रक्षा उत्पादन हो, सामरिक नीति हो या वैश्विक कूटनीति। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से कहा कि सरकार और सेनाओं पर विश्वास रखें, भारत अब एक सशक्त, आत्मनिर्भर और निर्णायक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है।

नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भारत की पहचान उसके युवा हैं, और यही युवा देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत एक ऐसा देश है जहाँ सबसे अधिक युवा जनसंख्या है, जो हमारे लिए गौरव की बात है। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि युवाओं के कल्याण और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर सतत् प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश को प्रधानमंत्री श्री मोदी जैसा नेतृत्व मिला है। तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि प्रदेश में कौशल विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में इंदौर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने हमें रोजगार सृजन के क्षेत्र में नई दिशा दिखाई है। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए राज्य सरकार लगातार नए रोजगार के अवसरों का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था और पारंपरिक कारीगरी जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें बढ़ावा देकर युवाओं को आत्म-निर्भर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चल रहे कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने रोजगार मेला आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेले को भारी सफलता मिली है। अपेक्षा से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। मेले में आये युवाओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया। उनके लिये 145 काउंटर बनाये गये और नियोजको से रूबरू कराया गया। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल रोजगार का माध्यम है, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास और दिशा निर्माण का प्रेरक मंच भी सिद्ध हुआ है ।इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी गौड़, श्री रमेश मेंदोला तथागोलू शुक्ला, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष सावन सोनकर, सफाई कामगार आयोग के अध्यक्ष प्रताप करोसिया, सुमित मिश्रा, पूर्व विधायक जीतू जिराती तथा सुदर्शन गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

यह पहुंचीं प्रमुख कंपनियां

पेटीएम, एयरटेल, ज़ोमेटो, सोनी इंडिया, डॉ. रेड्डी ग्रुप, टॉरस प्राइवेट लिमिटेड, पटेल मोटर्स, एनआईआईटी लिमिटेड, आईटी, रिटेल, ई-कॉमर्स, फार्मा, कंसल्टेंसी, फिनटेक, सेल्स, अकाउंटिंग एवं मार्केटिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनियाँ शामिल हुई।

ऑन-द-स्पॉट चयन एवं करियर गाइडेंस

कई कंपनियों ने योग्यता के आधार पर मौके पर ही चयन की प्रक्रिया अपनाई। विशेषज्ञों द्वारा सीवी लेखन, इंटरव्यू टिप्स और स्किल डेवलपमेंट पर प्रशिक्षण कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं। नगर निगम, जिला प्रशासन और अन्य विभागों के समन्वय से यह मेला सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

शिक्षाविदों और उद्यमियों का सम्मान

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू और उद्यमियों का सम्मान किया। इनमें देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरू ाकेश सिंघई, मेडिकेप्स के दिलीप पटनायक, ओरियेंटल विश्वविद्यालय के डॉ. सुनील सोमानी, सेज विश्वविद्यालय के डॉ. प्रशांत जैन, एनीबिसेंट शैक्षणिक संस्था के मोहित यादव, ईकोबिल्ड के चिराग जैन, शिक्षाविद डॉ. जयंतीलाल भण्डारी और प्रोफेसर अमित पहारे शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित हितग्राहियों को हितलाभ के प्रमाण-पत्र का वितरण कर चयनित युवाओं को नियुक्ति-पत्र सौंपे और कौशल विकास तथा रोजगार पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया।

सीमा पर तैनात जवानों के परिजनों से मिले मंत्री टेटवाल

भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने सारंगपुर विधानसभा के ग्राम खासपुरा पहुंचकर राजस्थान के जैसलमेर में तैनात सेना के दो वीर जवानों श्री धर्मेन्द्र सिंह सोलंकी और श्री विजेन्द्र सिंह सोलंकी के परिजन से मुलाकात की। मंत्री श्री टेटवाल ने जवानों के परिजन का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया और उन्हें नमन करते हुए उनके बेटों की वीरता और समर्पण से देश सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि उनके सम्मान का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने माता-पिता से कहा कि आपके दो बेटे सीमा पर देश की सेवा कर रहे हैं और तीसरा बेटा मैं हूं, जो प्रदेश में सेवा करते हुए हर सैनिक परिवार के लिए हमेशा उपस्थित हूँ। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय सेना ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि भारत शांति में विश्वास करता है, लेकिन किसी भी आक्रामकता का उत्तर देने में सक्षम है। हमारे जवानों ने अपने अदम्य साहस और पराक्रम से यह साबित किया है कि वे न केवल सीमा की रक्षा करते हैं, बल्कि देश की अस्मिता और सम्मान की भी रक्षा करते हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि सैनिकों के परिजन के प्रति हमारा कर्तव्य केवल सम्मान करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कृतज्ञता और सेवा का भी है। उन्होंने सारंगपुर क्षेत्र की वीरभूमि को नमन करते हुए कहा कि यहां की माटी ने ऐसे सपूत दिए हैं, जिन पर न केवल प्रदेश को, बल्कि पूरे देश को गर्व है। मंत्री श्री टेटवाल ने यह भी कहा कि सैनिकों का सम्मान केवल समारोहों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके परिवारों को यह विश्वास दिलाना भी ज़रूरी है कि सरकार और समाज हर परिस्थिति में उनके साथ है।

अत्याधुनिक व आत्मनिर्भर गौ-अभयारण्य है बसामन मामा गौवंश वन्य विहार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार अत्याधुनिक गौअभयारण्य है। शीघ्र ही यहां 5 टन क्षमता का गैस उत्पादन संयंत्र आईओसीएल द्वारा स्थापित किया जायेगा तथा पशु आहार निर्माण इकाई को भी शुरू किया जायेगा। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के विश्राम गृह में रात्रि विश्राम के उपरांत प्रशासनिक भवन में उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार एवं हिनौती गौधाम में अधोसंरचना निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि दुधारू गौवंश की 25-25 यूनिट के चार समूह बनाकर दुग्ध उत्पादन प्रारंभ करें तथा चिन्हित चरनाई भूमि की फेंसिंग कराकर चारा उत्पादन करें। उन्होंने सामुदायिक भोजशाला के निर्माण में गोबर की ईंट का उपयोग करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करने तथा मंच के सामने समतलीकरण कार्य को शीघ्र करने के निर्देश निर्माण विभाग को दिये। उन्होंने मृत पशु निष्पादन संयंत्र की स्थापना शीघ्र करायें तथा गौवंश वन्य विहार में बाउंड्रीबाल का निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में पशु चिकित्सक की उपस्थिति व सभी आवश्यक उपचार उपकरण की सुनिश्चितता के निर्देश दिये। उन्होंने प्रशासनिक भवन के समीप एक सुलभ काम्पलेक्स तथा एक अन्य सार्वजनिक सुलभ काम्पलेक्स निर्माण कराने के निर्देश निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में जिला गौसंवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने बहुमूल्य सुझाव दिये जिन पर उप मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्यवाही करने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया।

सिंचाई परियोजना पूरी होने से रीवा और मऊगंज के हर खेत में पहुंचेगा पानी: उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस के नवीन खण्ड में आयोजित बैठक में सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सीतापुर हनुमना उदवहन सिंचाई परियोजना तथा बाणसागर बांध की नहरों का काम पूरा होने के बाद रीवा और मऊगंज जिले के हर खेत में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। इससे खेती में तेजी से विकास होगा और हर किसान समृद्ध बनेगा। सीतापुर हनुमना सिंचाई परियोजना में वन तथा पर्यावरण की स्वीकृति समय पर प्राप्त करके सर्वे का कार्य तेजी से पूरा करें। यह परियोजना इस क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी सौगात सावित होगी।

आरजीपीवी में आयोजित दो दिवसीय सृजन महोत्सव नवाचार के लिए बना उत्कृष्ट मंच

प्रदेश के विद्यार्थियों में है समाज के प्रश्नों के समाधान करने का सामर्थ्य: परमार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विद्यार्थियों के रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना, सृजन का उद्देश्य है। सृजन के माध्यम से प्रतिभावान विद्यार्थियों को नवाचारों के लिए मंच मिला है। इससे विद्यार्थी, सामाजिक समस्याओं और चुनौतियों के प्रति संवेदनशील होंगे। समाज के प्रश्नों के समाधान करने का सामर्थ्य प्रदेश के विद्यार्थियों में हैं, हमारे विद्यार्थी समाधानकारक नवाचारों के लिए आगे आ रहे हैं। भविष्य में प्रदेश के यही विद्यार्थी, स्टार्टअप के केंद्र बनेंगे। प्रदेश सरकार की ओर से नवाचारों को लेकर विद्यार्थियों को मंच देने की यह अभिनव पहल है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रविवार को इनोवेट एमपी मिशन की दृष्टि से सृजित सृजन कार्यक्रम के समापन समारोह में कही। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हर वर्ष सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी नवाचारी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए मंच मिल सके। श्री परमार ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन गर्व का दिन है, आज ही के दिन हमारा देश परमाणु शक्ति संपन्न शक्तिशाली देश के रूप में स्थापित हुआ था ।तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत की परम्परा में दस्तावेजीकरण (पेटेंट) नहीं था लेकिन वर्तमान वैश्विक परिधियों में दस्तावेजीकरण की आवश्यकता है। इसके लिए हमें भारतीय समाज में हर विद्या-हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुन: शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण से समृद्ध करना होगा। भारत के नवाचारों को विश्वमंच पर, दस्तावेजीकरण के साथ रखना होगा। श्री परमार ने कहा कि आज के युवा विद्यार्थी ही, वर्ष 2047 का विकसित भारत गढ़ेंगे। पूर्वजों के ज्ञान के आधार पर ही भारत वर्ष 2047 तक, विश्व में अन्य देशों की ऊर्जा की आपूर्ति करने में सामर्थ्यवान देश बनेगा। साथ ही खाद्यान्न के क्षेत्र में भी विश्व का भरण पोषण करने वाला देश भी बनेगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से विद्यार्थियों के नवाचारी शोधों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के साथ साथ, उनके नवाचारों के दस्तावेजीकरण के लिए यह अभिनव पहल की गई है। श्री परमार ने सृजन में नवाचार के लिए पुरुस्कृत होने वाले सभी शोधार्थी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं बधाई भी दीं। श्री परमार ने कहा कि ऐसे विद्यार्थी जो सृजन के इस संस्करण में पुरुस्कृत नहीं हो सकें हैं, उनके नवाचारी प्रोजेक्ट्स को दस्तावेजीकरण तक की यात्रा में, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहयोग करेगा। श्री परमार ने सृजन के आयोजकों, संस्थाओं, प्रतिभागी एवं पुरस्कृत विद्यार्थियों और उनके मेंटर्स को शुभकामनाएं भी दीं। मंत्री श्री परमार ने समापन समारोह के पूर्व, सृजन अंतर्गत शोधार्थी विद्यार्थियों के चयनित नवाचारी प्रोजेक्ट्स पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके प्रोजेक्ट्स की जानकारी भी प्राप्त की। इस प्रदर्शनी में 1600 से अधिक प्राप्त प्रविष्टियों में से चयनित 150 नवाचारी प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शन के लिए स्थान दिया गया था। नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता को जोड़ने वाला दो दिवसीय सृजन कार्यक्रम, प्रदेश के युवा वैज्ञानिकों के लिए एक अहम मंच के रूप में सिद्ध हुआ, जब रूरल टेक्नोलॉजी, क्लीन एंड ग्रीन एनर्जी, इंडस्ट्री 4.0/ 5.0, वेस्ट मैनेजमेंट, लाइफ साइंस / स्वास्थ विज्ञान एवं स्मार्ट एजुकेशन के विषय पर प्रदेश के युवा वैज्ञानिकों एवं मेंटर के माध्यम से 1627 प्रविष्टियों में से 150 चयनित प्रविष्टियों के माध्यम से उच्च शिक्षा की 10 एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों के 26 इस प्रकार कुल 36 प्रविष्टियों ने विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त कर राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में नवाचार के अभिनव महोत्सव को विकसित भारत 2047 की संकल्पना को साकार रूप देने के लिए एक धरातल तैयार कर दिया।

संपादकीय

गोली चली तो गोला चलेगा

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना हुई तो इसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बता दिया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

ललित गर्ग

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने ब?ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह ब?ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर क?ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी ब?ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए।

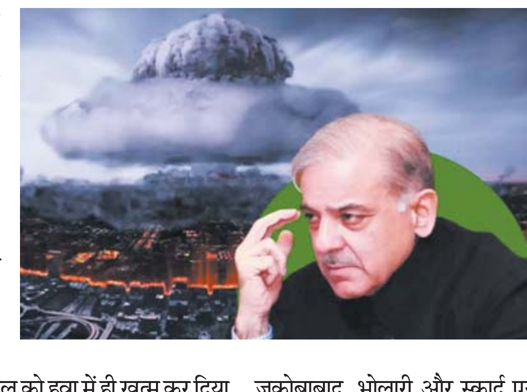

पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उ?ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छो?ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी ह?ब?ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सी? फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सी? फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

मेरी जमाने में जो शोहरत है वह मेरी मां की बदौलत है

माँ, वह हस्ती जिसके आगे दुनिया की हर दौलत फीकी है

(प्रवीण कक्कड़)

माँ, वह हस्ती जिसके आगे दुनिया की हर दौलत फीकी है, जिसके चरणों में जन्नत है। पश्चिम ने भले ही %मदर्स डे% की नींव रखी हो, लेकिन हमारी संस्कृति तो युगों से हर दिन को माँ का ही मानती आई है। जिसने नौ महीने अपनी साँसों से मेरी साँसों को बुना, जिसने अपने सपनों को मेरे सपनों के लिए कुर्बान कर दिया, उस माँ के लिए साल का केवल एक दिन समर्पित करना? यह तो उस अथाह सागर को एक बूंद में समेटने जैसा है। नहीं, माँ के लिए तो हर पल, हर धड़कन, हर साँस उसी की अनमोल देन है। फिर भी, आज का यह दिन एक सुंदर अवसर है, उन ममतामयी आँखों को याद करने का और उस असीम ममता के आगे अपना शीश झुकाने का, जिसके आगे संसार की हर वैभव फीका पड़ जाता है। आइए, इस मदर्स डे पर हम उस दिव्य शक्ति को याद करें जो हमारे जीवन का आधार है। मां के आशीष को शब्दों में पिरोना नामुमकिन है लेकिन बस इतना कह सकता हूं कि मेरी जमाने में जो शोहरत है वह मेरी मां की बदौलत है।

आज मदर्स डे है, मैं उस हर मां के संघर्ष को याद कर रहा हूं जिसने ना जाने कितने दुख उठाकर अपने बच्चों की परवरिश की और उन्हें समाज में एक पहचान दिलाई। मैं अपनी हर गहरी भावना में अपनी मां को महसूस कर पाता हूं। अथाह ममता और प्यार को सराहने का दिन है। तुम्हारे महत्व को शब्दों में बाँधना तो असंभव है, माँ। तुम्हें परिभाषित करने के लिए तो दुनिया के सारे शब्द भी कम पड़ जाएँ।

जिसके लबों पर कभी बद्दुआ नहीं होती,
बस एक माँ ही है, जो कभी खफा नहीं होती।

हमारे भारत में तो एक नहीं, दो-दो बार नवदुर्गा का पर्व आता है, और पूरा देश सर्वशक्तिमान माँ की आराधना में डूबा रहता है। हम तो अपने देश को भी भारत माता कहते हैं और उसके सम्मान को सर्वोपरी रखते हैं। हमें जन्म देने वाली माता के प्रति हमारा सर हमेशा श्रद्धा से झुकता है। जो परंपरा भारत में अनादिकाल से चली आ रही है, उसे यूरोप और अमेरिका तक पहुँचने में सदियाँ लग गईं। इसलिए सबसे पहली बार अमेरिका में 1908 में अमेरिकन एक्टिविस्ट एना जार्विस ने मदर्स डे की शुरुआत की।

हम भारतीय किसी भी पर्व, किसी भी उत्सव, किसी भी परंपरा को कभी खारिज नहीं करते। हमारी संस्कृति ने हमेशा अच्छी परंपराओं और अच्छे विचारों का खुले दिल से स्वागत किया है। इसीलिए जब मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे या मातृ दिवस मनाने का प्रचलन भारत में पहुँचा, तो भारत के निवासियों ने इसे सहजता से स्वीकार कर लिया। उनके लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, बल्कि एक स्वाभाविक परंपरा के रूप में उन्होंने इसे अपने जीवन में अपना लिया।

माँ, वह शक्ति है जो धूप में तपती साड़ी के पल्ले की छाँव बनकर अपने बच्चों को झुलसने से बचाती है, तो कभी ईंटों के बोझ तले दबी अपनी कमर को सहलाते हुए भी बच्चों का पेट पालती है। वह स्वयं भूखी रहकर भी अपने बच्चों के थाल को स्वादिष्ट व्यंजनों से भर देती है। माँ का प्रेम का आंचल हमेशा अपने बच्चों पर छाया रहता है, हर मुश्किल और संघर्ष को सहकर भी वह उनकी बेहतरीन परवरिश करती है। माँ के दिए हुए अनमोल संस्कार ही तो हैं, जो बच्चों के चरित्र में आजीवन सुरक्षित रहते हैं।

माँ का आशीर्वाद मेरे साथ चलता है मेरी प्यारी माँ, विद्या देवी कक्कड़, तुम्हें इस दुनिया से गए करीब साढ़े नौ साल हो गए, पर एक पल भी ऐसा नहीं लगता कि तुम मुझसे दूर हो। तुम्हारे चले जाने के बाद भी, तुम्हारा आशीर्वाद भावनात्मक रूप से हर पल मेरे साथ है। माँ, तुम्हारा साथ होना जीवन का सबसे सुखद अनुभव था। तुम्हारा स्पर्श अमृत के समान था। जीवन के हर उतार-चढ़ाव और चुनौतियों में, जब तुम्हारा हाथ मेरी पीठ पर होता था, तो बड़ी से बड़ी लड़ाई भी जीतने की ताकत आ जाती थी। आज समाज में जो थोड़ी बहुत मेरी प्रतिष्ठा है, मेरे प्रयासों को जो थोड़ी बहुत सराहना मिलती है, या जो पुरस्कार और सम्मान मुझे मिले हैं, वह सब तो माँ, तुम्हारे आशीर्वाद और तुम्हारे अटूट विश्वास का ही फल है। आज मदर्स डे पर तुम्हें याद करते हुए, तुम्हारे साथ बिताया हुआ हर पल मेरी आँखों के सामने जीवंत हो उठता है। मेरे व्यक्तित्व, मेरे स्वभाव, मेरी शिक्षा और दुनिया के ज्ञान में अगर किसी का सबसे ज़्यादा असर है, तो वह सिर्फ़ और सिर्फ़ तुम हो, माँ। तुम्हारे चले जाने के बाद भी, तुम्हारा आशीर्वाद एक अदृश्य शक्ति बनकर हमेशा मेरे साथ है।

यह विराम है, पूर्ण विराम नहीं !

रमण रावल

जो लोग यह सोचते हैं कि इस बार तो भारत जिस तैयारी में है, पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर ही दम लेगा या इसके बाद पाकिस्तान कभी भारत के सामने सिर उठाकर नहीं चल सकेगा तो वैसा कुछ नहीं होने वाला। उसकी वजह है पाकिस्तान की फितरत। जिस तरह कुत्ते की दुम 13 साल तक भोंगली में रखने के बाद भी टेढ़ी ही रहती है। तो क्या उसे सीधा करने का कोई जतन ही न किया जाये? संभवत~ भारत उसी राह पर आगे बढ़ रहा है,जिसका पहला पड़ाव है-युद्ध विराम। इसे पाक सेना ने नहीं माना है, जो भारत की कूटनीतिक बढ़त है। इस बार लड़ाई मैदान के साथ-साथ सभी स्तरों पर होगी कि ज्यों-ज्यों समय बीतेगा,भारत के रणनीतिक-कूटनीतिक प्रहार के घावों से पाकिस्तान बौखलाया घूमेगा।

आइये,कुछ बिंदुओं में समझते हैं- ह्ल सबसे प्रमुख और पहली बात तो यह कि पाकिस्तान कभी-भी परमाणु बम का उपयोग करने की भयंकर भूल नहीं कर सकता। वह इसलिये कि वह एक बम कहीं डाल भी दे और भारत उसे नाकाम न कर सके(जिसकी संभावना शून्य है) यह हो भी जाये तो फिर वह भारत को परमाणु हमले से कैसे रोक पायेगा? दुनिया का कोई भी देश फिर हमें उपदेश देने या रोकने की स्थिति में नहीं रहेगा। तब पाकिस्तान का सर्वनाश कौन रोक पायेगा? मौजूदा भारत सरकार ऐसा करने में सक्षम,दृढ़ प्रतिज्ञ है।

इसे ऐसे समझें कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका या रूस ने लंबे समय चले युद्धों के बावजूद कभी इसका उपयोग नहीं किया। रूस अफगानिस्तान में, अमेरिका वियतनाम में,इराक में और अफगानिस्तान में इसका उपयोग क्यों नहीं कर पाया? रूस ने अभी तक यूक्रेन से युद्ध में इसका इस्तेमाल क्यों नहीं किया ? इजराइल ने फलस्तीन पर क्यों नहीं परमाणु बम चलाया ? इसलिये पाकिस्तान धमकी कितनी ही दे डाले,उसके हाथ परमाणु बम के स्विच तक नहीं पहुंच सकते।

ह्ल इस बार 1965 व 1971 की तरह पूर्ण युद्ध शायद ही हो। पूर्ण युद्ध याने जिसमें पैदल सेना भी बराबरी से पाक सीमा में लाहौर,कराची,इस्लामाबाद तक पहुंचकर हमले करे और तिरंगा फहरा दे।विज्ञान-ततकनीक के इस युग में इस पारंपरिक तरीके की ज्यादा अहमियत नहीं रहती। ड्रोन, मिसाइल, मोर्टार,तोपें गरजती रहेंगी, लेकिन समय-समय पर । यह पहले प्रति उत्तर में होगा,फिर आत्म सुरक्षा में । तब पाकिस्तान किसी के भी आगे मिमियाये,भारत को फर्क नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान यह जताने के लिये छिटपुट हमले जारी रखेगा, ताकि वह भारत को यह दर्शाये कि वह हमसे डरता नहीं है और लड़ने में सक्षम है। साथ ही अपने नागरिकों को यह जताने के लिये भी कि वह भारत से लड़ने में सक्षम है। दुनिया से भीख लेने के लिये कि हमें भारत से खतरा है, ताकि जो आर्थिक मदद मिले ,उससे अपनी जेबें भरी जा सकें। ये परस्पर हमले दो-तीन महीने जारी रह सकते हैं, जब तक कि विश्व समुदाय दोनों देश पर दबाव न बढ़ाये। पाकिस्तान बना है, तबसे आतंकवाद,सफेद झूठ बोलना,सीमा पर अकारण गोलीबारी, आतंकवादियों को कवर फायर देकर हमारी सीमा में प्रवेश कराना,अपने यहां आतंकवादियों के प्रशिक्षण शिविर संचालित करना,उन्हें हथियार,धन से लेकर तो हर तरह की मदद करना उनकी दिनचर्या है। उसे वह नहीं छोड़ सकता। पाकिस्तान के नेता व सेना के बीच इस राष्ट्र के गठन के समय से ही अनबन चल रही है। साथ ही वे समान रूप से अति भ्रष्ट हैं। जब तक हित सधते हैं, साथ रहते हैं। जब टकराते हैं तो आपस में तलवारें खींच जाती हैं। फलस्तीन व पाकिस्तान की मानसिकता एकसमान है। दोनों अविश्वसनीय, उग्र, हिंसक, प्रतिशोधी, अड़ियल,क्रूर और किसी भी तरह की नीति-नियम,नैतिकता को न मानने वाले

हैं। इसलिये,इनकी कभी वचनबद्धता भी नहीं रही और कोई इन पर रत्ती भर यकीन भी नहीं करता। इसीलिये फलस्तीन ने अभी-भी सारे बंधक नहीं छोड़े, जबकि उसके हजारों नागरिक मारे जा चुके हैं और गाजा पट्?टी पूरी तरह बरबाद हो चुकी है। वह इजराइल की जेलों में बंद करीब 4 हजार फलस्तीनियों को रिहाई की मांग पर अड़ा है। याने लगभग पूरी बरबादी के बावजूद उसे वे लोग चाहिये, जो इजराइल के लिये आतंकवादी हैं। इसी तरह पाकिस्तान ने शिमला समझौते में अपने 90 हजार सैनिक तो हमसे ले लिये थे, लेकिन हमारे कुछेक दर्जन जवानों के बारे में तो न कभी स्वीकारोक्ति दी, न रिहा किया, न आज तक ये बताया कि उनका हुआ क्या? यह हमारी तत्कालीन सरकार की घनघोर कमजोरी तो थी ही। पाकिस्तान का अस्तित्व अस्थिरता,हिंसा पर ही आधारित है। वह इस आड़ में दुनिया भर में कटोरा लेकर घूमता रहता है। जो मदद मिलती है,उसे अपनी जनता तक पहुंचाने की बजाय उसका 80 प्रतिशत तक फर्जी खर्च के जरिये नेता-सेना आपस में बांट लेती है। याने न सेना के लिये अपेक्षित हथियार खरीदे जाते हैं, न जनता के लिये राशन-पानी,नागरिक सुविधायें। जो हथियार खरीदते हैं, उसका बड़ा हिस्सा आतंकवादियों को दे दिया जाता है।

अब आतंकी हमला , मतलब युद्ध से बदला

राकेश शर्मा

कल शाम भारत पाक के बीच अचानक हुई युद्धविराम की घोषणा ने हर देशवासी को स्तब्ध कर दिया हर कोई इस घोषणा का अपनी अपनी तरह से आंकलन कर रहा है, मैंने भी इस विषय पर बहुत मंथन किया । मंथन करते हुए भारतीय इतिहास के दो संस्मरण अनायास ही स्मरण हो आये ।

चाणक्य के अनुसार

अपने शत्रु को पूरी तरह नष्ट कर दो... नहीं तो वह फिर उठ खड़ा होगा... !

अगर शत्रु को पूरी तरह खत्म नहीं किया गया... तो... वह समय आने पर... फिर से ताकतवर बनकर... लौट सकता है... !

और दूसरा संस्मरण महाभारत के एक प्रसंग से उद्धत है ।

जब कृष्ण अंतिम कोशिश के रूप में शांति संधि के लिए हस्तिनापुर जा रहे थे तो द्रोपदी ने बड़ी ही व्याकुलता से कृष्ण से पूछा था कि केशव, तो अब युद्ध नहीं होगा !!

कृष्ण ने उस समय द्रोपदी से कहा था, तुम मुझ से ज्यादा दुर्योधन पर विश्वास रखो, वो मेरी हर कोशिश को नाकाम कर देगा। श्रीकृष्ण के जवाब में आज के युद्धविराम का निचोड़ निहित है और चाणक्य की उक्ति में भविष्य का दर्पण ।

सर्वप्रथम वर्तमान स्थिति में हमें अपने प्रधानमंत्री के नेतृत्व, उनकी राष्ट्रभक्ति और निष्ठा के प्रति पूर्ण विश्वास करना होगा, कोई भी निर्णय उन्होंने राष्ट्र के व्यापक हित में ही लिया होगा । इस पृष्ठ भूमि में जब हम इस घोषणा का सही आंकलन करेंगे तो शायद मोदी के मन में क्या चल रहा है उसका कुछ विश्लेषण कर सकें।

आज इंडी गठबंधन और विपक्ष उधम मचा रहा है की युद्धविराम के लिए भारत क्यूँ तैयार हो गया इत्यादि इत्यादि और 1971 की बांग्लादेश के जन्म की याद दिला रहा है । वह यह नहीं बता रहा की बांग्लादेश मुक्तिवाहिनी पाकिस्तान से मुक्ति की मुहिम बहुत अरसे से चला रही थी और अंत में उन्होंने भारत से मदद की माँग की , पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) भौगोलिक , भाषा, सामाजिक, रहन सहन एवं सांस्कृतिक दृष्टि से पहले ही अलग थलग था और पाकिस्तान से बहुत दूर था और पाकिस्तानी शोषण के कारण उनसे अलग होना चाह रहा था । इसलिए आसानी से अलग हो गया । भारत के बांग्लादेश की माँग करने वालों की मदद करने के बाद उनकी फ़ौज को समुद्री सीमा से घिरे होने के कारण भागने की जगह नहीं थी और इसलिए उन्होंने भारत की सेना के सामने शरणागत होते हुए समर्पण कर दिया । लेकिन उस समय के शासकों ने हमारी मज़बूत स्थिति के बावजूद शिमला समझौता करते समय ना तो पीओके वापस लिया, उनके 90,000 सैनिक वापस कर दिए परंतु अपने 64 युद्ध बंदियों को वापस नहीं लिया , आतंकवादियों के ख़िलाफ़ एक्शन पर कोई समझौता नहीं किया । मैं तो इसे समझौता नहीं उस समय भारत का विजयी स्थिति में होते हुए भी तुष्टिकरण का साष्टांग समझौता ही कहूँगा ।

मैं यह भी पूछना चाहूँगा की मोदी जी ने 27 हिंदू पार्टकों की हत्या का बदला ऑपरेशन सिंदूर से कैसे ले लिया और कांग्रेस ने 2008 में इन्ही पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा 26/11 कर 166 निर्दोष भारतीयों को मौत के घाट पहुंचाने के बाद कैसे पाकिस्तान और आतंकवादियों के सामने घुटने टेक आत्मसमर्पण किया था । सेना ने उस समय की कांग्रेस सरकार को कहा कि हम पाकिस्तान पर हमले के लिए तैयार हैं लेकिन तत्कालीन सरकार ने इजाजत नहीं दी । उसके विपरीत वर्तमान प्रधान मंत्री मोदी ने 27 निर्दोष हिंदुओं की हत्या के बाद तुरंत फौज को फ्री हैंड देकर बदला लेने को कह दिया । जिसका रिजल्ट हम सभी ने देख लिया है ।

आज हम 1947 और 1948 की तत्कालीन सरकार की विभाजन विभीषिकाओं की गलतियों का भुगतान 77 साल बाद भी लगातार कर रहें हैं । 22 अप्रैल की पहलगाम की घटना जिसमे 27 हिंदू पर्यटकों की निर्मम हत्या की गई भी उसी गलती का परिणाम थी ।

इस घटना के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया की आतंकवादियों को दुनियाभर में चुनचुन कर , ढूँढ ढूँढ कर मारा जाएगा । जिन्होंने भारतीय माताओं के सिंदूर मिटाये थे उनका ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए नाश किया जाएगा । इस ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकवाद पर हमला करने तक ही सीमित था और वह पूरा भी किया गया ।

इस युद्धविराम की घोषणा के बहुत गहरे मायने हैं । इसे समझने के लिए वैश्विक राजनैतिक, आर्थिक दृष्टिकोण को समग्रता से ध्यान में रखना होगा । एक और तो ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के अपनी सामरिक क्षमता, कुचलने का दृढ़ निश्चय का सफल प्रदर्शन कर दुश्मन के मन में सफलता पूर्वक भय उत्पन्न किया और विश्व को दिखा दिया दिया कि हमारी सहिष्णुता और शांत स्वभाव को किसी प्रकार की कमजोरी ना समझा जाए।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाक और पीओके में स्थित नौ आतंकवादियों के अड्डों को तहस नहस कर दिया, दो सौ से ज़्यादा दुर्दांत आतंकवादियों को 72 हूरों के पास पहुँचा दिया, पाकिस्तान के अंदर घुसकर उनके नौ हवाई अड्डे तबाह कर दिए, 12 शहरों में तबाही के बम बरसा दिए और सबसे बड़ी बात पाकिस्तान के हज़ारों ड्रोन, मिसाइल और चार लड़ाकू विमान भारत के सुदर्शन (स-400 एयर डिफेंस सिस्टम) ने हमारे देश में पहुँचने से पहले ही हवा में मार गिराकर अपनी सुरक्षा करने की क्षमता का परिचय दिया जिसे देखकर दुनिया हैरान थी और हमारी सेनाओं की दुनिया भर में वाह वाही हुई।

युद्ध किसी भी देश की प्रगति और विकास में अवरोध पैदा करता है , अस्थिरता उत्पन्न करता है एवं अराजक तत्वों के सपनों को साकार करता है ।

इस समय भारत विश्व की तीसरी सबसे बढ़ी अर्थव्यवस्था बनने का दरवाज़ा खटखटा रहा है , इस समय लंबे समय तक युद्ध भारत को अपने बृहत्तर उद्देश्य से भटका सकता है । चीन जो अमेरिका की टैरिफ वॉर से बिलबिलाया हुआ है , वहाँ से कई देश बाहर निकलकर अपने उद्योग भारत में लगाने का विचार बनाकर भारत के विकास को गति देना चाह रहे है उसे देखकर भारत पाक युद्ध को देखकर चीन खुश था की भारत में युद्ध से उत्पन्न वातावरण देखकर भारत में निवेश करने वाले देश अपना इरादा बदलकर चीन में ही टिके रहें । वह परेशान था कि बाईस अप्रैल की घटना से पहले अमेरीका के उप राष्ट्रपति भारत में पाँच सौ बिलियन डॉलर के व्यापार की बात करके गए, बीस यूरोप के देशों के प्रतिनिधि भी उसी समय भारत के साथ व्यापार बढ़ाने की बात करने भारत आये हुए थे ।

इसी श्रृंखला में कल युद्ध विराम को घोषणा के बाद चीन के उपप्रधानमंत्री मंत्री ने घोषणा की कि हम पाकिस्तान के साथ हैं (यानी युद्ध के साथ हैं) और साथ ही भारत की शक्ति देख भयभीत पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री डार ने भी कहा चीन हमारे साथ है लेकिन यह कहने की हिम्मत नहीं दिखा पाए की हम युद्ध विराम का पालन नहीं करेंगे । क्यूंकि यदि युद्ध कुछ दिन और चल जाता तो दुनिया के नक्शे से पाकिस्तान ही गायब हो सकता था । भारत का उद्देश्य यह कभी था ही नहीं वह तो सिर्फ आतंकवादियों को समाप्त करना चाहता था और वह कुछ हद तक कामयाब भी हुआ । वैसे देखा जाए तो सिर्फ पाकिस्तानी आवाम को छोड़कर वहां की सरकार, आईएसआई, फौज सभी वर्दीधारी आतंकवादी ही हैं भारत को अपने विकास का लक्ष्य प्राप्त कर एक ना एक दिन इनका सफाया करना ही होगा क्यूंकि स्वभात~पाकिस्तान इसका मौका हमें बार बार देगा , दुर्योधन का अहंकार पाकिस्तानी शासकों में प्रचूर मात्रा में है, झूठ, आतंक और अन्याय के साथ ही रहेंगे ।

मेरा मानना है की आज जब बारह बजे दोनों देशों के डीएमओ युद्धविराम को विस्तृत चर्चा करेंगे तो भारत को पाकिस्तान सरकार के पास इस इलाके में स्थायी शांति के लिए युद्ध विराम की कुछ शर्तें अवश्य रखनी चाहिये जैसे पाकिस्तान की तरफ़ से कोई भी आतंकवादी घटना युद्ध की घोषणा होगी और भारत आतंकवादियों के सफ़ाए के लिए स्वतंत्र होगा चाहें इसे पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध ही क्यूँ ना माना जाए । पाकिस्तान बचे कूचे आतंकी अड्डों को स्वयं समाप्त करेगा। भारत द्वारा वांछित कुख्यात आतंकवादियों जैसे हाफ़िज़ सईद, अज़हर मसूद, दाऊद इब्राहिम को भारत को सौंपेगा ।

इस युद्ध विराम से भारत के द्वारा सिंधु जल संधि, व्यापार बंद करने की घोषणा, बॉर्डर बंद करने की घोषणा, पाकिस्तानियों को निकालने की घोषणा, भारतीय बंदरगाह पाकिस्तान के लिए बंद करने , एयर स्पेस खोलने पर कोई बातचीत नहीं होगी , इस युद्ध विराम से उसका कोई मतलब नहीं होगा ।

आतंकवाद और आतंकवादियों की पूर्ण समाप्ति पर इन पर पुनर्विचार किया जा सकता है वरना यह युद्ध विराम अस्थायी है और भारतीय वायु सेना के अनुसार कहा गया वाक्य ऑपरेशन सिंदूर जारी है , यही यथार्थ है । पाकिस्तान आतंक का साथ छोड़ेगा नहीं और दुर्योधन की तरह युद्ध चाहेगा और हमें करना ही पड़ेगा , चीन को छोड़ पूरा विश्व आतंक समाप्त करने के लिए भारत के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, लेकिन मोदी जी को भी देश को वायदा देना होगा यह पाकिस्तान को सुधरने का आखिरी मौका दिया है जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

ईएसबी ने जारी की ADDET-2025 की रूलबुक, 12 जून को एग्जाम

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल ने एनिमल हस्बेंड्री एंड डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा एंट्रेंस टेस्ट -2025 की रूलबुक जारी कर दी है। परीक्षा 12 जून को दो पालियों में होगी। आवेदन की अंतिम तारीख 21 मई तय की गई है। इस परीक्षा के जरिए प्रदेश के 11 कॉलेजों में संचालित डिप्लोमा कोर्स की एक हजार सीटों पर एडमिशन मिलेगा। करीब 10 कॉलेजों में एनिमल हस्बेंड्री डिप्लोमा और 1 कॉलेज में डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा संचालित हो रहा है। सरकारी और निजी दोनों संस्थान शामिल हैं। भोपाल, जबलपुर, महू, रीवा और मुरैना में सरकारी कॉलेज हैं। ग्वालियर, भिंड, इंदौर, बड़वानी और हरदा में निजी संस्थान यह कोर्स करवा रहे हैं। डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा केवल विदिशा के निजी संस्थान में उपलब्ध है।

स्थानांतरण नीति के तहत उच्च शिक्षा विभाग में ऑनलाइन आवेदन का प्रारूप घोषित

भोपाल। उच्च शिक्षा आयुक्त निशांत बरवड़े ने राज्य एवं जिला स्तर के शिक्षा अधिकारियों और कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति के तहत आवेदन का प्रारूप घोषित किया। उनके जारी आदेश में लिखा गया कि मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन द्वारा जारी स्थानांतरण नीति-2025 के तहत ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से स्थानांतरण किए जाने हैं। स्थानांतरण नीति-2025 के अनुसार स्थानांतरण के लिए आवेदन ऑनलाइन से तैयार मॉड्यूल के अनुसार अथवा कार्यालय प्रमुख द्वारा सत्यापित आवेदन प्रस्तुत किया जाना है। 10 से 17 मई तक सभी संवर्ग के कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी अपने आवेदन निर्धारित मॉड्यूल के माध्यम से प्रेषित करें। जारी किए गए मॉड्यूल में स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया भी दर्शाई गई है।

बिना पूर्व सूचना व अनुमति के धरना प्रदर्शन, रैलियां व सभाओं के आयोजन को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

सिवनी। कलेक्टर एवं जिला द०^डाधिकारी सुश्री संस्^कृति जैन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 अंतर्गत बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के सार्वजनिक स्^थानों पर धरना प्रदर्शन, रैलियां एवं सभाओं के आयोजन को लेकर प्रति?बंधा?मक आदेश जारी किये हैं।

जारी आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी स्थान पर सभा, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, सार्वजनिक कार्यक्रम आदि का आयोजन नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था, या ग्रुप एडमिन या अन्य सोशल मीडिया/इलेक्ट्रॉनिक संसाधन जैसे मोबाईल, कम्प्यूटर, फेसबुक, ई-मेल, व्हाट्सएप्प एवं अन्य प्रकार के संचार साधनों पर किसी दल, धर्म, जाति, सम्प्रदाय, संस्था, व्यक्ति विरोधी एवं आमजन की भावना भड़काने वाले अथवा किसी को बुरा लगने या आहत करने वाले व कानून व्यवस्था की विपरीत स्थिति निर्मित करने वाले आपत्तिजनक मेसेज/चित्र/कमेंट/बैनर/पोस्टर आदि अपलोड नहीं करेगा/प्रदर्शित नहीं करेगा। यह आदेश सर्वसाधारण को संबोधित है तथा वर्तमान परिस्थितियों में सूचना की तामीली सम्यक समय में प्रत्येक संबंधित व्यक्ति की व्यक्तिश: सुनवाई किया जाना संभव नहीं है। इसलिए यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अन्तर्गत एक पक्षीय रूप से पारित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से सिवनी जिले की सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में प्रभावशील होगा तथा आदेश का उल्लंघन करने पर भा.न्या.सं. की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डित किया जाएगा। यह आदेश जारी होने की दिनांक से एक माह तक प्रभावशील रहेगा।

जले के समस्त विभागों में कार्यरत शासकीय सेवकों के सभी प्रकार के आगामी अवकाश पर प्रतिबंध

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिले के समस्त विभागों में कार्यरत शासकीय सेवकों के सभी प्रकार के आगामी अवकाश तत्काल प्रभाव से अन्य आदेश तक प्रतिबंधित किया है। साथ ही निर्देशित किया गया है कि सभी शासकीय सेवक अपने मुख्यालय पर अनिवार्यता मौजूद रहेंगे।

अवकाश प्रतिबंध अवधि में विशेष परिस्थितियों में स्वयं अथवा स्वयं के परिवार में विवाह, प्रसूति एवं संतान पालन, गंभीर बीमारी, दुर्घटना, स्वयं के परिवार में घटित अप्रत्याशित घटना आदि के संबंध में कलेक्टर की अनुमति के उपरांत सक्षम स्तर से अवकाश स्वीकृति प्रदान की जा सकेगी।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान की अप्रत्याशित परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने यह आदेश जारी किया है। इस आदेश को तत्काल प्रभावशील किया है। पुलिस प्रशासन नरसिंहपुर द्वारा एडवाइजरी का पालन करने जिलेवासियों से अपील पुलिस प्रशासन नरसिंहपुर द्वारा भी एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने जिलेवासियों से उक्त एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है। आम नागरिकों से कहा गया है कि आपत्तिजनक या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम के के मोबाइल नम्बर 7587646110 या हेल्प लाइन नम्बर 100 पर सूचित करें। पुलिस प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार सोशल मीडिया पर बिना पुष्टि खबरें, वीडियो, तस्वीर शेयर न करें, गलत सूचना से तनाव बढ़ा सकती है।

सोशल मीडिया में भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं पोस्ट करने पर होगी कार्यवाही: कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ.केदार सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के अन्तर्गत लोक हित में तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से आदेश जारी किया है कि कोई भी व्यक्ति/संस्थाएं सोशल मीडिया (फेसबुक, वाट्सएप, ट्विटर आदि) पर ऐसी कोई भी भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं/पोस्ट/वीडियो/रील्स को अपलोड एवं फार्वड/वायरल नहीं करेगा/करेगी। यदि जांच के दौरान कोई भी व्यक्ति ऐसी पोस्ट अपलोड/फारवर्ड करने में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 एवं अन्य सुसंगत अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी। जारी आदेश में कहा गया है कि भारतीय सेना द्वारा आपरेशन ÷सिंदूर÷ के तहत की गयी कार्यवाही से उद्भूत परिस्थितियों के परिपेक्ष्य में विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों पर भ्रामक एवं अपुष्ट सूचनाएं/पोस्ट/वीडियो/रील्स अपलोड/फारवर्ड किये जा रहे हैं। ऐसी अपुष्ट खबरों के प्रसारण से आमजन में आक्रोश एवं तनाव पैदा होने तथा कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने की संभावना बनी हुई है। उक्तादेश आदेश जारी होने के दिनांक से आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन किये जाने पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (द्धद्ध) 2000 एवं भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कनाड़िया में जल संरक्षण की दिलाई शपथ

तालाब गहरीकरण के लिये किया श्रमदान

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोक माता अहिल्याबाई ने सुशासन के साथ जन कल्याण के कार्य कर देश के विकास के लिये एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने देश में धर्मशालाएं, नदियों के घाट, अन्न क्षेत्र एवं मंदिर बनवाये हैं। उन्होंने बनारस एवं सोमनाथ में मंदिर भी बनवाए हैं। उनके द्वारा शुरू कराई गई महेश्वरी साड़िया आज भी प्रसिद्ध है। अहिल्या माता के स्मरण में 20 मई को इंदौर में कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर के कनाड़िया में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अहिल्या माता द्वारा सैकड़ों वर्ष पूर्व निर्मित बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य के लोकार्पण अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण के लिये तालाब गहरीकरण करने श्रमदान किया और जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला तथा अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश की सुरक्षा के लिये बलिदान देने वाले शहीदों को अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में हमारी सेना ने देश की सुरक्षा के लिये सराहनीय कार्य किया है और दुश्मन को सबक सिखाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर तरक्की कर रहा है। आज हमारे देश की अर्थव्यवस्था विश्व में चौथे नम्बर की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश की सीमा पर तैनात जवान और खेतों में अनाज पैदा कर रहा किसान दोनों हमारे लिये एक समान है। हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिये निरंतर काम कर रही है। ?सिंचाई की सुविधा बढ़ाने के लिये नदी जोड़ो परियोजना पर काम किया जा रहा है। किसानों को अत्यंत कम दर पर बिजली कनेक्शन देने की व्यवस्था की गई है। किसानों को सोलर पम्प लगाने के लिये अनुदान दिया जा रहा है। सोलर पम्प लगाकर किसान अपने लिये बिजली का उत्पादन करने के साथ ही अतिरिक्त बिजली सरकार को बेचने में सक्षम होंगे। इससे उन्हें बिजली का बिल भी नहीं देना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी ध्यान दे रही है। इसी का परिणाम है कि इंदौर जिले में दो लाख 3 हजार 395 बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ मिल रहा है और 4 लाख 48 हजार 398 बहनों को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिल रहा है। प्रदेश सरकार लाड़ली बहनों के लिये राशि की कमी नहीं होने देगी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिये हम सभी को अपने जीवन का हर दिन एक घंटा जल की एक-एक बूंद बचाने में सहयोग के लिये देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदियों को जोड़ने का सपना देखा था उस सपने को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार साकार करने जा रही है। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा कनाड़िया के लिये 165 करोड़ रुपये की योजना लाई जा रही है।

सरकारी जिला अस्पताल में भर्ती मरीज गर्मी से हलकान वार्डों में लगे एसी बने शोपीस

दमोह। जिले की सरकारी जिला अस्पताल के वार्डों में लगे ऐसी अपनी दुर्दशा स्वयं बया करते नजर आ रहे हैं जबकि जिला अस्पताल प्रबंधन इस तरफ कोई ध्यान नहीं देता इसमें महत्वपूर्ण बात जो वह यह है की विगत एक माह पूर्व 8 अप्रेल को वार्डों में जो ऐसी लगे है उनकी मरम्मत भी कराई गई थी इसके बाद भी ऐसी आज फिर उसी हालत में नजर आने लगे है जैसे पहले थे फिर अस्पताल प्रबंधन का ऐसी मरम्मत कार्य कराने का मतलब क्या निकला की पुरी गर्मी निकली जा रही लेकिन अस्पताल में भर्ती मरीजो को सरकार की योजना का लाभ ही ना लेपा रहा कारण यह है की जिला अस्पताल के वार्डों में लगे ऐसी है उनमें से ठंडी हवा की जगह पानी की बूंदें टपक रही है जो आपको फर्श पर फोटो में दिखाई दे रही होगी इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि भ्रष्टाचार जिला चिकित्सालय में कितनी चरम पर चल रहा है

भारत-पाक तनाव के बीच शहडोल के पूर्व सैनिकों ने जताई सीमा पर तैनाती की इच्छा

शहडोल। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर, मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में सेवानिवृत्त सैनिकों ने देशभक्ति का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इन पूर्व सैनिकों ने रक्षा मंत्री के नाम एक ज्ञापन प्रभारी जिला पंचायत सीईओ शहडोल को सौंपकर अपनी मंशा जाहिर की है कि वे वर्तमान संकट की स्थिति में भारतीय सेना का साथ देने के लिए पुनः सेवा में लौटने को तैयार हैं।उन्होंने ज्ञापन में लिखा है कि (हम रिटायर्ड सैनिक हैं), लेकिन देश के लिए हमारी सेवा कभी समाप्त नहीं हुई। यदि सरकार हमें बुलाएगी, तो हम तुरंत सीमा पर जाकर देश की रक्षा के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया की स्थानीय प्रशासन को भी यदि हम सैनिकों की आवश्यकता पडती है तो हम सभी तन-मन-धन से समर्पित है। यह पहल ऐसे समय में आई है जब हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 नागरिकों की जान गई थी, और इसके पीछे पाकिस्तान-आधारित लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध संगठन का हाथ बताया गया है। हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है, जिससे पाकिस्तान ने युद्ध की घोषणा करार दिया है। शहडोल के पूर्व सैनिकों की यह पहल देशभर के अन्य सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों के लिए प्रेरणा बन सकती है, जो संकट की घड़ी में राष्ट्र की सेवा के लिए तत्पर हैं। उल्लेखनीय है कि शहडोल के पूर्व सैनिकों की यह देशभक्ति भरी पहल न केवल उनके समर्पण को दर्शाती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि भारत के नागरिक, चाहे वे सेवा में हों या सेवानिवृत्त, हमेशा राष्ट्र की रक्षा के लिए तैयार हैं।

मां के प्यार और देखभाल की तुलना इस दुनिया में किसी भी चीज से नहीं की जा सकती है- ब्रह्माकुमारी

ओबैदुल्लागंज (संवाददाता)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ए-33 मुखर्जी नगर द्वारा विदिशा के पुलिस लाइन क्वार्टर्स में मदर्स डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मातृत्व दुनिया का सबसे बड़ा जुआ है। वहीं यह गौरवशाली जीवन शक्ति है। यह बहुत बड़ा और डरावना है लेकिन यह अनंत आशावाद का कार्य है। ÷ गिल्डा रेड्नर ने कहा। हर जीवन में मां की महिमा और महत्व को समझाने के लिए यह एक वाक्य काफी है। एक मां परिवार का स्तंभ और रीढ़ होती है। सब कुछ त्याग कर और हमेशा खुश रहकर, वह साबित करती है कि सच्चा प्यार क्या होता है। वह बिना ब्रेक लिए और चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान के साथ लगातार काम करती है। चूंकि भगवान हर जगह मौजूद नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने हमारे लिए मां बनाई है। वह न केवल प्रेम का प्रतीक है बल्कि एक योद्धा भी है। वह सभी को खुश रखने के लिए लगातार सभी बाधाओं से लड़ती है। वह जन्म लेने वाले सभी लोगों के लिए पहली शिक्षिका, मित्र, मार्गदर्शक, दार्शनिक और यहां तक कि मनोवैज्ञानिक भी है। मैं यह कहना चाहूंगी कि इस धरती पर मां ही एकमात्र निःस्वार्थ प्रेमी है तो इस मदर्स डे पर उनके लिए इस दिन को यादगार बनाकर हम यह प्रतिज्ञा करें हर मातृशक्ति को हम इज्जत सम्मान से देखेंगे, खुश रखने के लिए कार्य करेंगे। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने बताया कि व्यवहारिक रूप से तो हर दिन माताओं का दिन होता है। लेकिन उनके मातृत्व, उनके बलिदान, उनके प्यार और देखभाल का सम्मान करने के लिए, हर साल मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे के रूप में मनाया जाता है। इस धरती पर एक माँ ही एकमात्र ऐसी शख्सियत है जो अपना पूरा जीवन बच्चों के लिए समर्पित कर देती है और बदले में कभी भी कुछ भी उम्मीद नहीं करती है। वह केवल देती है और वापस कुछ भी नहीं चाहती है। उसके बच्चे की हर मुस्कान उसकी मुस्कान बनाती है। एक मां के प्यार और देखभाल की तुलना इस दुनिया में किसी भी चीज से नहीं की जा सकती है। माँ के प्यार के बदले में कुछ भी नहीं दिया जा सकता है। लेकिन आज बहुत से बच्चे मां के प्यार और देखभाल को हल्के में लेते हैं। वे उचित सम्मान नहीं देते हैं यहां तक कि वृद्ध आश्रम छोड़ आते हैं। मां वह है जो समर्थन की आवश्यकता होने पर हमेशा पीछे खड़ी रहती है। इसलिए, यह बच्चे के साथ-साथ परिवार के सदस्यों का भी कर्तव्य है कि जब उसे जरूरत हो तो उसके साथ खड़े रहें। बच्चे की सफलता और विकास के पीछे एक माँ का हाथ होता है जो उसके सपनों को हकीकत में लाने के लिए दिन-रात जागती रहती है। क्योंकि जिस दिन से बच्चा पैदा होता है, मां का काम शुरू हो जाता है। चलना, खाना, बोलना और लिखना सिखाने से लेकर वह हमेशा आपके साथ है। आज हम जो कुछ भी हैं, उसके लिए निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिए हमें अपनी माताओं को धन्यवाद करना चाहिए। अधिक संख्या में माता बहनें कार्यक्रम में उपस्थित रही।

माँ नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ 15 से 21 मई तक मुकाती की बावड़ी पर, तैयारियों को लेकर हिन्दू संगठनों, की हुई बैठक

आष्टा। आष्टा नगर के वरिष्ठ समाज सेवी माँ नर्मदा के परम भक्त,दादागुरु के कृपा पात्र मुकाती परिवार द्वारा नगर में पहली बार माँ नर्मदा चिंतन ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत आचार्य श्री रविकांत जी शास्त्री जी के श्रीमुख से

माँ नर्मदा जी की कथा का भव्य आयोजन मुकाती की बवाड़ी कन्नौद रोड पर दिनांक 15 से 21 मई तक किया जा रहा है। आयोजक मुकाती परिवार के शेषनारायण मुकाती ने बताया की कथा का शुभारंभ दिनांक 15 मई को शाम 4 बजे पार्वती नदी किनारे स्थित प्राचीन शंकर मन्दिर आष्टा से भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ होगा जो बुधवार होते हुए मुकाती की बावड़ी कथा स्थल पर पहुचेगी और कथा का शुभारंभ होगा। गर्मी को देखते हुए कथा का समय प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक रहेगा। आयोजित होने वाली कथा की तैयारियो,सातों दिनों की कार्ययोजना हेतु आज मुकाती की बावड़ी पर नगर के,हिन्दू उत्सव समिति,व्यापार महासंघ,सभी सामाजिक,धार्मिक संगठनों सहित नगर के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित पूर्व नपा अध्यक्ष कैलाश परमार, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा,राकेश सुरणा,सुशील संचेती, डॉ मीना सिंगी,रूपेश राठौर, कालू भट्ट, सुरेश सुरणा, प्रेमनारायण शर्मा, विशाल चौरसिया,नरेंद्र कुशवाह,कुशलपाल लाला, कल्लू, मुकाती,भूरू मुकाती व सभी समाजसेवीयो, जनप्रतिनिधियो, आदि ने अपने अपने विचार,सुझाव रखे। सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त कर एक स्वर में कथा कार्यक्रम को भव्य स्वरूप दे कर उसे सफल बनाने,पूर्ण सहयोग देने का भरोसा आयोजक मुकाती परिवार को दिया।

मित्रता कैसी करें भगवान श्रीकृष्ण सुदामा से सीखे कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग

कथा सुनना जब सफल है जब हम कथा में नहीं कथा हमारे अंदर बैठ जाए

दमोह। सिद्ध चारों धाम मंदिर जमुनिया हजारी में कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी के मुखारबिंद से तिवारी परिवार द्वारा आयोजित कथा के 5 मई से 11 मई तक सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के विश्राम दिवस पर किशोरी जी ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रवचन दिए। किशोरी जी ने सातवें दिन कृष्ण के अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया गया। मां देवकी के कहने पर छह पुत्रों को वापस लाकर मा देवकी को वापस देना सुभद्रा हरण का आख्यान कहना एवं सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी ने बताया कि मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्री कृष्ण सुदामा जी से समझ सकते है।उन्होंने कहा कि सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र से सखा सुदामा मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। उन्होंने कहा कि सुदामा द्वारिकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे द्वार पर द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया। तब उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं इस पर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है। अपना नाम सुदामा बता रहा है जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना प्रभु सुदामा सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया। सुदामा ने भी कन्हैया कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया दोनों की ऐसी मित्रता देखकर सभा में बैठे सभी लोग अचंभित हो गए। कृष्ण सुदामा को अपने राज सिंहासन पर बैठाया हुआ। उन्हें कुबेर का धन देकर मालामाल कर दिया। जब जब भी भक्तों पर विपदा आ पड़ी है। प्रभु उनका तारण करने अवश्य आए हैं। कथा व्यास किशोरी जी ने कहा कि जो भी भागवत कथा का श्रवण करता है उसका जीवन तर जाता है। मुख्य यजमान पंडित ममता बालमुकुंद तिवारी एवं समस्त तिवारी परिवार जमुनिया हजारी।।

एक शहीद के बेटे का दर्द- हर सुबह मैं अपने पिता से गुड मॉर्निंग संदेश पाकर उठता था और आज ऐसा कोई संदेश नहीं था

सूबेदार मेजर पवन कुमार जरियाल शहीद हो गए

किसी भी युद्ध में हम क्या पाते हैं, लेकिन उनसे पूछ ले जो अपना सब कुछ खो देते हैं, उनकी मनस्थिति, उनकी भावनाएं, उनके घर की खुशियाँ क्या कोई भी युद्ध वापस लौटा सकता है?

जम्मू कश्मीर में शहीद हुए हिमाचल के वीर सपूत सूबेदार मेजर पवन कुमार रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका सैन्य सम्मान के साथ उनके गांव के शमशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। बलिदानी पवन कुमार के बेटे अभिषेक ने मुखाग्नि देकर आने पिता को अंतिम विदाई दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी। धर्मशाला में इग्नू अध्ययन केंद्र में स्नातक छात्र अभिषेक के पिता ने कल रात उसकी मां को वीडियो कॉल किया था। अभिषेक ÷हर सुबह मैं अपने पिता से गुड मॉर्निंग संदेश पाकर उठता था और आज ऐसा कोई संदेश नहीं था। इसके तुरंत बाद उन्हें एक वरिष्ठ अधिकारी का फोन आया, जिसने उन्हें बताया कि उनके पिता के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। कुछ घंटों बाद, एक और कॉल आया जिसमें बताया गया कि उनकी मृत्यु हो गई है।÷

कांगड़ा जिले के शाहपुर/सिहोलपुरी निवासी 25 पंजाब रेजिमेंट के सूबेदार मेजर पवन कुमार जरियाल शनिवार तड़के जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पाकिस्तानी सेना की ओर से की गई गोलाबारी में शहीद हो गए। बस तीन महीने की नौकरी और बची थी पर किसे पता था जिन्दगी के पास तीन महीने नहीं बचे थे, तभी तो बोर्डर पर सेवा देना पसंद किया।

सिहोलपुरी के रहने वाले 48 वर्षीय पवन कुमार जरियाल 25 पंजाब रेजिमेंट में तैनात थे। शनिवार सुबह करीब 730 बजे पाकिस्तानी गोलीबारी में देश के लिए बलिदान हो गए। वहीं, रविवार को बलिदानी सूबेदार मेजर पवन कुमार जरियाल की पार्थिव देह उनके पैतृक गांव पहुंच गई है। जरियाल को 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होना था, लेकिन कुछ महीने पहले उन्होंने सीमावर्ती शहर को अपनी अंतिम पोस्टिंग के रूप में चुना था। उनके पिता, 75 वर्षीय गराज सिंह जरियाल जो खुद भी 25 पंजाब रेजिमेंट से हवलदार के रूप में सेवानिवृत्त हुए है, ने कहा कि वे 32 साल की सेवा पूरी करने के बाद तीन महीने में सेवानिवृत्त हो जाते। ÷बस कुछ महीने पहले, जब उन्हें अपनी अंतिम पोस्टिंग चुनने का विकल्प दिया गया था, तो उन्होंने सीमावर्ती शहर में पोस्टिंग का विकल्प चुना। हम सभी उनकी वापसी की योजना बना रहे थे, किसने सोचा था कि वे तिरंगे में लिपटे घर आएंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद से मैंने उनसे केवल एक बार बात की थी। उन्होंने कहा था कि वे बंकरों में रह रहे थे, सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खु ने कहा कि जरियाल ने देश की एकता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया और लोग उन्हें हमेशा याद रखेंगे।

बलिदानी पवन कुमार अपने पीछे बुजुर्ग पिता गरज सिंह, पत्नी सुषमा देवी, पुत्र अभिषेक कुमार और पुत्री अनामिका को छोड़ गए हैं। उनका बेटा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है, जबकि बेटी कॉलेज में पढ़ाई कर रही है, एक बुजुर्ग पिता अपने बेटे की पार्थिव देह पर पुष्प चढ़ा रहे हैं, औरएक स्त्री जिसे अब परिवार की तीन पीढ़ियों को अकेले संभालना है।

आम, मैच और महाबचतः अमेजन फ्रेश के साथ अपनी समर बॉस्केट को फुल करें

बेंगलुरु, एजेंसी। सूरज की तपिश बढ़ने के साथ, सीजन के बेस्ट डिलाइट्स से अपनी कार्ट और अपनी बचत को बढ़ाएं। फिर बात चाहे रसीले, फार्म-फ्रेश आम का स्टॉक जमा करने की हों या आपके मपनपसंद स्नैक्स के साथ आईपीएल मैच का लुत्फ उठाने की, अमेज़ॅन फ्रेश सीधे आपके घर पर 2 घंटे में सुपर फॉस्ट डिलीवरी एवं विश्वसनीय और स्लॉटेड डिलीवरी सुविधा के साथ अल्टीमेट सीजनल बचत प्रदान करता है। वीकली सुपर वैल्यू डेज़ के साथ, हर शुक्रवार से रविवार तक ग्राहक किराने के सामान पर बड़ी बचत के साथ शानदार डील और वैल्यू ऑफर का आनंद उठा सकते हैं। अमेजन फ्रेश द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए मैंगो मेनिया स्टोर से इस मौसम के सबसे मीठे उत्पादों का लुत्फ़ उठाएँ और आम की 10 से ज़्यादा किस्मों, मिठाइयों, कैंडीज़, ड्रिंक्स और अन्य पर बड़ी बचत पाएं। सीधे 260 से ज़्यादा भरोसेमंद किसानों से लिए गए इन आमों को प्राकृतिक तरीकों से पकाया गया है और इनमें कार्बाइड का उपयोग नहीं किया गया है। इनकी गुणवत्ता की जांच चार चरण वाली प्रक्रिया से की जाती है। अमेजन फ्रेश पर कोका कोला और हेरिटेज द्वारा प्रायोजित, क्रिकेट रेडी स्टोर मैच के हर दिन के लिए एक डेडिकेटेड स्नैकिंग डेस्टिनेशन प्रदान करता है, जिसमें चिप्स, पेय पदार्थ, रेडी-टू-ईट ट्रीट और अन्य ढेर सारी मजेदार चीजें मिलती हैं; स्वाद और बचत को सीधे आपके घर तक पहुँचाया जाता है। ग्राहक इन गर्मियों में क्वालिटी वॉल्स, नेस्कैफे, रियल, कोका कोला, मिल्की मिस्ट, प्लक, लेज़ जैसे शीर्ष ब्रांड पर 40 प्रतिशत तक की और आइसक्रीम पर 50 प्रतिशत तक की छूट भी पा सकते हैं। अमेजन पे का उपयोग करके अधिक बचत और सुविधा का आनंद लें।

पूरे मई में चलेगा शिन चैन मूवी मैडनेस

मुंबई, एजेंसी। वो शरारती है। वो अनपेक्षित है। और इस गर्मी, वो आपके टीवी स्क्रीन पर पहले से कहीं ज़्यादा धमाल मचाने वाला है। तैयार हो जाइए मस्ती से भरे मई के लिए, क्योंकि शिन चैन ला रहा है अब तक का सबसे जबरदस्त मूवी मैराथन – जो पहली बार भारतीय टेलीविज़न पर प्रसारित होगा, सिर्फ सोनी ये! पर! चार वीकेंड्स, चार गुना मस्ती – शिन चैन की हाई-ऑक्टेन एडवेंचर, अनोखी कल्पनाओं और हंसी से भरपूर पलों की भरमार के साथ। वो कभी विलेन से भिड़ेगा, तो कभी समय में पीछे जाएगा, और कभी अपने सबसे पागलपन भरे कारनामों में कूद पड़ेगा। शुरुआत होगी धुआंधार एक्शन से – बर्स्ट! हॉट स्प्रिंग बैटल! में शिन चैन करेगा गर्म पानी की लड़ाई, फिर आएगा बड़ों के खिलाफ बगावत वाला धमाका द एडल्ट एम्पायर स्ट्राइक्स बैक। इसके बाद शॉर्ट्स छोड़ शिन चैन बनेगा समुराई – द बैटल ऑफ वैरिंग स्टेट्स में, और अंत में पूरी तरह जंगल-जंगल हो जाएगा द कासुकाबे एनिमल किंगडम में। हर एडवेंचर पहले से ज्यादा बड़ा, मज़ेदार और हंगामेदार! सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की कंज्यूमर-फेसिंग पहचान है जो सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन, जापान की अप्रत्यक्ष पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एक प्रमुख मीडिया और मनोरंजन समूह, एसपीएनआई में एसडी और एचडी दोनों प्रारूपों में 28 प्रीमियम चैनल शामिल हैं, जिनमें प्रमुख हिंदी सामान्य मनोरंजन टेलीविजन चैनल – सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन; सोनी सब और सोनी पल; मराठी सामान्य मनोरंजन चैनल – सोनी मराठी; बांग्ला सामान्य मनोरंजन चैनल – सोनी आठ; हिंदी मूवी चैनल – सोनी मैक्स, सोनी मैक्स 1, सोनी मैक्स 2 और सोनी वाह; खेल प्रशंसकों के लिए प्रसिद्ध डेस्टिनेशन- सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क जिसमें सोनी स्पोर्ट्स टेन 1, सोनी स्पोर्ट्स टेन 2, सोनी स्पोर्ट्स टेन 3, सोनी स्पोर्ट्स टेन 4, सोनी स्पोर्ट्स टेन 5 शामिल हैं; बच्चों का मनोरंजन चैनल- सोनी ये!; अंग्रेजी मूवी चैनल- सोनी पिक्स; तथ्यात्मक मनोरंजन चैनल- सोनी बीबीसी अर्थ; अमेरिका और कनाडा में फ्री विज्ञापन-समर्थित स्ट्रीमिंग टेलीविज़न (फास्ट) चैनल – सोनी केएएल; डिजिटल मनोरंजन ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म – सोनी लिव और टीवी और डिजिटल मीडिया के लिए ओरिजिनल कंटेंट और आईपी के लिए स्वतंत्र उत्पादन उद्यम – स्टूडियो नेक्स्ट। यह नेटवर्क भारत में 700 मिलियन से अधिक दर्शकों तक पहुँचता है और 150 से अधिक देशों में उपलब्ध है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने घटाई होम लोन की ब्याज दरें

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने अपने होम लोन की ब्याज दरों में कमी किए जाने की घोषणा की है। बैंक की होम लोन ब्याज दरें अब 8.00 प्रतिशत प्रति वर्ष (पहले 8.40 प्रतिशत प्रति वर्ष) से शुरू होंगी। ये दरें नए होम लोन और होम इमप्रूवमेंट लोन पर लागू होंगी। दरें उधारकर्ता के क्रेडिट स्कोर से लिंक्ड हैं और 15 लाख रुपये और उससे अधिक के ऋण पर लागू होंगी। बैंक ने रेपो रेट से लिंक्ड ऋण वाले अपने मौजूदा उधारकर्ताओं को रेपो रेट में कटौती का लाभ पहले ही दे दिया है। इसके अलावा, बैंक तैयार संपत्तियों, होम लोन शिफ्टिंग आदि के लिए महिला उधारकर्ताओं के लिए 0.05 प्रतिशत प्रति वर्ष और 40 वर्ष से कम आयु के उधारकर्ताओं के लिए 0.10 प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायत भी दे रहा है।बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक श्री संजय मुदालियर ने कहा, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के होम लोन पर घटी हुई दरें घर की खरीद को और अधिक किफायती बना देंगी। हम कुछ विशेष महत्वपूर्ण सेगमेंट के लिए विशेष रियायतें भी दे रहे हैं। जहां एक ओर ये संशोधित दरें घर खरीदने का सपना देखने वाले ग्राहकों को प्रतिस्पर्धी ऋण समाधान प्रदान करने की बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, वहीं दूसरी ओर इससे पसंदीदा हाउसिंग फायनांस भागीदार के रूप में हमारी स्थिति और सुदृढ़ होगी।

सेजल ग्लास ने एफवाय25 में 3 गुना नेट प्रॉफिट वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। सेजल ग्लास लिमिटेड प्रमुख आर्किटेक्चरल ग्लास निर्माता, ने ऑडिटेड क्यू4 और एफवाय25 के वित्तीय परिणामों की घोषणा की। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री अमृत गड़ा, सेजल ग्लास लिमिटेड के प्रमोटर ने कहा, एफवाय25 सेजल ग्लास के लिए एक अपवादात्मक वर्ष रहा है, जिसमें एकत्रित निवल लाभ में तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई—यह एक मजबूत रणनीति, संचालनात्मक अनुशासन, और तेज़ बाजार फोकस का परिणाम है। ह्रष्टरुञ्ज प्रक्रिया से बाहर आने के बाद, हमारा ध्यान संचालन को मजबूत करने, बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने, और सभी हितधारकों का विश्वास पुन॰ प्राप्त करने पर रहा है। मुझे इस बात पर गर्व है कि हमने क्षमता उपयोग में सुधार, मूल्य वर्धित उत्पादों का शुभारंभ और उच्च-क्षमता वाले अंतर्राष्ट्रीय बाजारों, विशेष रूप से मध्य पूर्व में प्रवेश करने में प्रगति की है।

मप्र के 5 जिलों की जमीन पर बनेगा महानगर, तैयार हुआ विकास का ब्लूप्रिंट

भोपाल। भोपाल सहित मध्यप्रदेश के पांच प्रमुख जिलों को मिलाकर एक नया भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन (क्क्रक्र) आकार ले रहा है, जिसका प्राथमिक नक्शा तैयार कर लिया गया है। इस प्रस्तावित क्षेत्र का कुल विस्तार 8791 वर्ग किलोमीटर होगा, जो लगभग आठ लाख 79 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि को समाहित करेगा। इस क्षेत्र को 75 लाख की अनुमानित आबादी के लिए विकसित करने की योजना है, जिसमें भोपाल जिले के वर्तमान जनसंख्या घनत्व 855 व्यक्ति प्रति हेक्टेयर को आधार बनाया गया है।

भोपाल विकास प्राधिकरण ने इस योजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने के लिए शुरुआती चरणों की शुरुआत कर दी है। इसके लिए दस लाख रुपए का प्रारंभिक बजट तय किया गया है और इस माह के अंत तक कंसल्टेंट फर्म का चयन कर लिया जाएगा। कंसल्टेंट को 14 माह के भीतर विस्तृत योजना तैयार करनी होगी, जो भविष्य के विकास की नींव रखेगी।

इन जिलों के क्षेत्र होंगे शामिलः इस मेट्रोपॉलिटन रीजन में भोपाल के साथ-साथ आस-पास के चार अन्य जिलों के विभिन्न क्षेत्र सम्मिलित होंगेः भोपाल जिले के हुजूर, बैरसिया, कोलार। रायसेन जिले केरायसेन, औबेदुल्लागंज। विदिशा जिले के विदिशा, ग्यारसपुर, गुलाबगंज। सीहोर जिले के सीहोर, इछावर, आष्टा, श्यामपुर, जावर। राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़, जीरापुर, ब्यावरा, पिछोर, खूजनेर।

शहरी विस्तार और टूरिज्म हबः इस क्षेत्र में सेटेलाइट टाउन के रूप में नए आवासीय हब विकसित किए जाएंगे, जो मुख्य शहर पर बोझ कम करेंगे और आबादी को सुनियोजित तरीके से बसाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों को भी विशेष रूप से आवासीय विकास के लिए चुना जाएगा, जिससे संतुलित नगरीकरण संभव हो सकेगा। कार्यस्थलों तक पहुंच के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट को आधुनिक बनाया जाएगा। साथ ही, इस रीजन में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए टूरिस्ट सेंटर्स और सर्किट्स चिन्हित किए जाएंगे, जो न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देंगे, बल्कि राज्य के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को भी उभारेंगे।

इस प्रोजेक्ट के माध्यम से भोपाल न केवल अपने शहरी स्वरूप को नया आयाम देगा, बल्कि इसके आस-पास के जिलों को भी समावेशी और टिकाऊ विकास का अवसर मिलेगा। बेहतर नियोजन और सुव्यवस्थित विस्तार से भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश के विकास का मॉडल बन सकता है।

भोपाल और रूस के स्मोलेंस्क शहर के साथ हुआ सिस्टर सिटी समझौता

प्रदेश का पहला एमओयू, महापौर पहुंची रूस

भोपाल। राजधानी भोपाल और रूस के स्मोलेंस्क शहर के बीच सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सिस्टर सिटी' समझौता किया गया है। मध्यप्रदेश के किसी भी शहर के महापौर द्वारा किसी विदेशी शहर के साथ किया गया ये प्रथम अनुबंध है। इससे लेकर भोपाल की महापौर मालती राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल स्मोलेंस्क शहर पहुंचा है। महापौर वहां के विक्ट्री डे परेड में शामिल हुई। इस प्रतिनिधि मंडल में भोपाल नगर निगम की एडिशनल कमिश्नर टीना यादव ,फेडरेशन ऑफ़ मध्य प्रदेश कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सचिव प्रवीण आचार्य, रूस में फेडरेशन के अधिकृत प्रतिनिधि प्रभांशु श्रोत्रिय एवं अजय सिंह ठाकुर भी स्मोलेंस्क की विक्ट्री परेड में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में दोनों शहरो की मित्रता को प्रगाढ़ करते हुए एक ऐतिहासिक अनुबंध पर दोनों शहरो के महापौरों द्वारा हस्ताक्षर किये गए। इस अनुबंध के हस्ताक्षर होने के बाद भोपाल और स्मोलेंस्क शहर अब सिस्टर सिटी कहलाएंगे। जिससे दोनों शहरो के मध्य आधिकारिक और सामाजिक प्रगाढ़ता मजबूत होगी। साथ ही दोनों शहरो के नागरिको के मध्य व्यापारिक, शैक्षणिक, और सांस्कृतिक आदान प्रदान सहज होने से प्रगाढ़ता और स्मृद्धि बढ़ेगी। मध्यप्रदेश के किसी भी शहर के महापौर द्वारा किसी विदेशी शहर के साथ किया गया ये प्रथम अनुबंध है, जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारत सरकार की पूर्व में स्वीकृति भी मिली है।

अनुबंध से यह मिलेगा लाभ

शिक्षा एवं प्रशिक्षणः हमारे विद्यार्थी रूस के विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण हेतु जा सकेंगे और वहां के विद्यार्थी भी हमारे विश्वविद्यालयों में अध्ययन हेतु आएंगे।

कला और संस्कृतिः हमारे सांस्कृतिक दल रूस में प्रस्तुति देंगे और रूसी कलाकार भोपाल में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इससे दोनों देशों की लोक-कलाओं और परंपराओं को वैश्विक मंच मिलेगा।

पर्यटनः आपसी मेल-जोल और आयोजनों के कारण पर्यटन को नया आयाम मिलेगा और स्थानीय पर्यटन उद्योग को लाभ पहुंचेगा।

हस्तशिल्प और लघु उद्योगः भोपाल के कारीगरों और हस्तशिल्प निर्माताओं को रूसी बाजार तक पहुंचने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिलेगा।

तकनीकी सहयोगः रूस की उन्नत तकनीकों से हमारे युवा लाभान्वित होंगे और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकेगा।

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा सम्पन्न

राजेश तिवारी नए अध्यक्ष ने कार्यकारिणी के साथ पदभार ग्रहण किया

भोपाल। मैनेजमेंट एसोसिएशन की 20 वी वार्षिक आम सभा होटल विज्ञापश्री एमपी नगर में आयोजित की गई

कार्यमुक्त अध्यक्ष सुनील भार्गव ने अपने 2 वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां से अवगत कराते हुवे कहा की अब बीएमए सदस्यों की संख्या 794 हो गई है जिसने कॉर्पोरेट सदस्य 16 संस्थागत सदस्य 21 एवम व्यक्तिगत लाइफ मेम्बर 155 है और अब बीएमए का सरप्लस बजट है सुनील भार्गव ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश तिवारी मानव संसाधन विशेषज्ञ को कार्यभार सौंपा उनके साथ मानद सचिन शंकरण कोष्याध्यक्ष मनोज झा संयुक्त सचिव डॉ निष्ठा त्यागी पचोरी एवम 6 सदस्यीय कार्यकारणी एवम मनोनित सदस्यों ने कार्यभार ग्रहण किया इस अवसर पर बीएमए के फाउंडर अध्यक्ष भारत पटेल भी उपस्थित थे उन्होंने कहा कि लगातार 20 वर्ष की सफल यात्रा पर उन्हे सुखद अनुभूति हुई है और नए अध्यक्ष राजेश तिवारी बीएमए को ओर ऊंचाई पर ले जायेंगे इस अवसर पर नए सदस्यों को सदस्यता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए और बीएमए फाउंडर अध्यक्ष भरत पटेल एवम सी फर्नडस को सम्मानित किया गया कार्यकारणी सदस्य शैलेंद्र ओझा ने बीएमए की यात्रा और वार्षिक आम सभा पर वक्तव्य दिया।

लैंक्सेस को मिली शीर्ष रेटिंगः सीडीपी ने जलवायु और जल संरक्षण को लेकर मान्यता दी

मुंबई, एजेंसी। जलवायु संरक्षण पहल सीडीपी ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में उत्कृष्ट योगदान के लिए लैंक्सेस को सम्मानित किया है। अपने नवीनतम मूल्यांकन में, सीडीपी ने विशेष रसायन कंपनी को जलवायु श्रेणी में शीर्ष ग्रेड ए दिया है। इससे लैंक्सेस, उन 24,700 से अधिक कंपनियों में शीर्ष 2 प्रतिशत में शामिल हो गया है जिनका मूल्यांकन सीडीपी ने किया।

ग्रेड ए उन कंपनियों को दिया जाता है जो जलवायु संरक्षण में अपनी गतिविधियों पर विशेष रूप से पारदर्शी और व्यापक रूप से रिपोर्ट करती हैं और संबंधित परियोजनाओं को लागू करती हैं। इसके लिए, उन्हें अपनी रणनीतियों और उपायों को प्रदर्शित करना होगा, जैसे कि वैज्ञानिक रूप से ठोस लक्ष्य निर्धारित करना और जलवायु संरक्षण योजना तैयार करना। लैंक्सेस 2012 से सीडीपी को जलवायु संरक्षण से संबंधित डेटा की जानकारी दे रहा है। इसके अतिरिक्त, सीडीपी ने जल संसाधनों के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के प्रति लैंक्सेस की प्रतिबद्धता का मूल्यांकन किया। संगठन ने इस क्षेत्र में ए- ग्रेड प्रदान किया। लैंक्सेस एजी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य ह्यूबर्ट फिंक ने कहा, अपने समाधानों और विशेषज्ञता के साथ, हम सतत् विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। साथ ही, हम अपने ग्राहकों को उनके स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। सीडीपी की नई शीर्ष रेटिंग जलवायु संरक्षण को लेकर हमारी प्रतिबद्धता पर जोर देती है।

ध्वनि की गति से तीन गुना तेज रफ्तार वाली ब्रह्मोस की उत्पादन इकाई का लखनऊ में शुभारंभ

भोपाल। रविवार को रक्षा क्षेत्र ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर दुनिया की सबसे विध्वंसक सुपर सोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की उत्पादन इकाई का शुभारंभ किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह डिजिटल माध्यम से दिल्ली से समारोह में जुड़े और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ इस परियोजना का उद्घाटन किया। यह कदम रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत और भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनावपूर्ण हालात में सामरिक शक्ति को नई धार देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उद्यम की देन है। इसकी मारक क्षमता 290-400 किलोमीटर और गति मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) है। यह मिसाइल जमीन, हवा और समुद्र से लॉन्च की जा सकती है। यह 'फायर एंड फॉरगेट' सिद्धांत पर काम करती है, जिससे यह दुश्मन के रडार से बचकर सटीक निशाना लगा सकती है। ब्रह्मोस एक सार्वभौमिक लंबी दूरी की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली है, जिसे जमीन, समुद्र और हवा से लॉन्च किया जा सकता है। ब्रह्मोस को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और रूस के नैटिक पॉलीमर्स एंड ऑर्गनिक्स के संयुक्त उद्यम के तहत विकसित किया गया है। इस प्रणाली को एंटी-शिप और लैंड-अटैक भूमिकाओं के लिए दो वैरिएंट के साथ डिजाइन किया गया है। ब्रह्मोस हथियार प्रणाली को भारतीय नौसेना के साथ-साथ भारतीय सेना में भी शामिल किया गया है। नौसेना के आईएनएस त्रिकंद से किए गए सफल परीक्षण फायरिंग के दौरान मिसाइल ने अलग-अलग दिशाओं में एक या अलग-अलग लक्ष्यों को मार गिराने की अपनी क्षमता भी साबित की है। 'सैल्वो' मोड में हथियार को अलग-अलग दिशाओं में 2-2.5 सेकंड के अंतराल में लॉन्च किया जा सकता है। आठ ब्रह्मोस मिसाइलों का एक समूह आधुनिक एंटी-मिसाइल सुरक्षा वाले लक्ष्यों के समूह को भेदकर पूरी तरह से नष्ट कर सकता है। ब्रह्मोस अपनी रफ्तार, सटीकता और विनाशकारी ताकत के साथ एक खतरनाक हथियार प्रणाली है। जमीन से मार करने वाली हथियार प्रणाली में चार से छह मोबाइल स्वायत्त लॉन्चर शामिल हैं, जिन्हें एक मोबाइल कमांड पोस्ट और एक मिसाइल पुन:पूर्ति वाहन द्वारा नियंत्रित किया जाता है। एमएएल एक वाहन है।

एमपी के 45 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्टः पिछले 24 घंटे में 37 जिलों में बारिश

भोपाल। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और टर्फ का असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। इस वजह से प्रदेश में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे में 37 जिलों में बारिश और आंधी वाला मौसम रहा। प्रदेश के 45 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत कई जिलों में बारिश भी हो सकती है, जबकि जबलपुर, उज्जैन संभाग में आंधी चलने की संभावना है। आंधी की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

इन जिलों में बदला रहा मौसम- ग्वालियर, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, आगर-मालवा, देवास, इंदौर, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, राजगढ़, भोपाल, रायसेन, विदिशा, सीहोर, छिंदवाड़ा, सिवनी, अनूपपुर, डिंडौरी, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और शहडोल शामिल हैं।

सीतामऊ में सबसे ढाई इंच से ज्यादा- प्रदेश में सबसे ज्यादा बारिश मंदसौर के सीतामऊ में हुई। यहां ढाई इंच से ज्यादा पानी बरस गया। खरगोन में 1 इंच बारिश दर्ज की गई। कुल 53 शहर और कस्बों में पानी गिरा।

अशोकनगर में ओले गिरे- प्रदेश में रविवार को दोपहर बाद फिर मौसम बदला। इस दौरान भोपाल के कोलार इलाके समेत कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। मंदसौर, शहडोल, इंदौर, छतरपुर, सागर, खरगोन और अशोकनगर में तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। अशोकनगर में ओले गिरे। आंधी के कारण खरगोन में कई स्थानों पर टीन शेड उड़ गए, जबकि कुछ जगह पेड़ उखड़े हैं। सीजन में ये अब तक की सबसे तेज आंधी थी।

दूसरी ओर, कई शहरों में तेज गर्मी का असर भी देखा गया। कई दिन के बाद अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। खजुराहो में तापमान सबसे ज्यादा 42 डिग्री रहा। वहीं, सतना में 40.8 डिग्री, रीवा में 40.4 डिग्री, दमोह में 40.2 डिग्री और सागर में 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.4 डिग्री, इंदौर में 35.9 डिग्री, ग्वालियर में 39.6 डिग्री, उज्जैन में 37.5 डिग्री और जबलपुर में 39.2 डिग्री सेल्सियस रहा। पचमढ़ी में सबसे कम 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मई में पड़ेगी सबसे ज्यादा गर्मी- मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में मई के महीने में ही सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है। पिछले 10 साल का ट्रेंड देखें तो कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दिन में हीट वेव चलेगी तो रातें भी गर्म रहेंगी। मई में बारिश का भी ट्रेंड रहता है। इस बार मई की शुरुआत में ही मौसम बदला हुआ है। पहले ही दिन कई जिलों में बारिश हुई।

इन जिलों में सबसे ज्यादा गर्मी- मौसम विभाग की मानें तो मई महीने में ग्वालियर, छतरपुर, नरसिंहपुर, निवाड़ी, मैहर, टीकमगढ़, भिंड, दतिया, खरगोन, बड़वानी, खंडवा, मुरैना, राजगढ़, रायसेन, शाजापुर, श्योपुरकलां, शिवपुरी और विदिशा जिलों में पारा 45 डिग्री या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। इनमें ग्वालियर-चंबल संभाग के साथ मालवा-निमाड़ के कुछ शहरों में भी तेज गर्मी रहेगी। छतरपुर के खजुराहो और नौगांव, निवाड़ी के पृथ्वीपुर में पारा 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

भोपाल में पारा 44 से 45 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है जबकि इंदौर, जबलपुर और उज्जैन में भी पारा इतना रह सकता है। बड़े शहरों में ग्वालियर में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ेगी। यहां पारा 46-47 डिग्री के बीच पहुंचने का अनुमान है।

अबकी बार ऐसा रहा अप्रैल का महीना- अप्रैल के पहले, दूसरे और तीसरे सप्ताह में तेज गर्मी और बारिश का दौर बना रहा। पहले सप्ताह में सभी संभागों में सामान्य से 2-3 डिग्री ज्यादा 21-24 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। वहीं, दिन में पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान इंदौर, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से ज्यादा 39 से 44 डिग्री तक पहुंच गया। उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर समेत बाकी संभागों में यह 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पहले सप्ताह रतलाम में लू चल चुकी है। वहीं, बाकी शहरों में गर्म हवाओं से गर्मी बढ़ी रही। दूसरे सप्ताह में पूरे प्रदेश में तेज आंधी, बारिश, ओले और गरज-चमक की स्थिति बनी रही। प्रदेश के 80 प्रतिशत हिस्से में बारिश हुई। दूसरी ओर, कुछ जिलों में गर्मी का असर भी रहा।

तीसरे सप्ताह में उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। वहीं, पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस या इससे ज्यादा रहा। कई जिलों में लू भी चली।

वहीं, आखिरी सप्ताह में प्रदेश में ओले, बारिश का दौर शुरू हो गया। 25 अप्रैल के बाद से ऐसा मौसम रहा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस, टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के एक्टिव होने से ऐसा हुआ।

नाबालिग से दुराचार उमराडी गांव की घटना पास्को सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज आरोपी गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव थाने के अंतर्गत उमराडी गांव में एक नाबालिक के साथ जबरदस्ती दुराचार करने का मामला सामने आया है। आरोपी पीड़ित का रिश्तेदार बताया जा रहा है। पीड़ित दोपहर के समय घर में अकेली थी तभी तंबाकू लेने के बहाने आरोपी घर में घुस गया और पीड़ित को अकेला पाकर उसके साथ दुराचार किया। पीड़ित द्वारा चिल्लाने पर अन्य लोगों के पहुंचने पर आरोपी भाग निकला। घटना की रिपोर्ट थाने में की गई जहां पुलिस ने पास्को सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

10 ठिकानों से अवैध शराब जब्त

शहडोल। जिले के विभिन्न थानों की पुलिस ने अलग-अलग स्थान से अवैध शराब जप्त की है। शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले भर में पुलिस अभियान चलाकर कार्यवाही कर रही है। इसी के तहत छापामार कार्यवाही में 10 स्थानों से 57 लीटर कच्ची महुआ शराब, 15 पाव देशी प्लेन मदिरा शराब जिसकी कुल कीमत 7850 रुपए जब्त करते हुए सभी आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए है।

3200 विद्यार्थी शिविर से लाभान्वित

छिंदवाड़ा। परम् पूज्य संत आशारामजी बापू की पावन प्रेरणा से ग्रीष्म ऋतु के दौरान देश भर में विद्यार्थी सर्वांगल भविष्य निर्माण शिविर का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इसी कड़ी में श्री योग वेदांत सेवा समिति लिंगा आश्रम द्वारा 1 दिवसीय विद्यार्थी शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसमें विद्यार्थी को स्वस्थ रहने के लिए योगासन, उचित आहार विहार ,परीक्षा में अत्यधिक अंक कैसे अर्जित करने के साथ साथ देश भक्ति और मातृ भूमि के प्रति अपने कर्तृतव्य के दैवीय गुणों से अवगत कराया। सभी विद्यार्थियों को माता - पिता एवं गुरु जनों के आदर करने की सीख दी गई। वैदिक गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के महत्व से भी अवगत कराया । आश्रम के आसपास के सैकड़ों ग्रामों के विद्यार्थियों ने उपस्थित दर्ज की। खेल कूद और अन्य ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी सम्पन्न हुआ। साध्वी प्रतिमा बहन और साध्वी रेखा बहन के सानिध्य में इस प्रकार के अयोजन आसपास के ग्रामों के स्कूलों में भी समय - समय पर आयोजित होते है। सभी विद्यार्थियों के लिए नाश्ता , शरबत और भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। शिविर में लगभग 3200 विद्यार्थियों ने उपस्थित दर्ज की । इस प्रकार के कार्यक्रम देश भर के 550 आश्रमो में निरंतर सम्पन्न हो रहें हैं जिसमें अभी तक करोड़ों करोड़ो विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। इस दैवीय कार्य में खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, गुरुकुल की संचालिका दर्शना खड्डर, सुभाष इंगले, अशोक कराडे, नारायण ताम्रकार, रामराव लोखंडे ,कैलाश राउत, ललिता घोंगे, रुपाली इंगले, प्रीति सोनारे, हर्षलता खिलवाडी, विमल शेरके आदि ने अपनी अपनी सेवाएं दी ।

नागरिक सुरक्षा के लिए वॉलंटियर्स का होगा प्रशिक्षण

छिन्दवाड़ा। वर्तमान आपातकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिले में नागरिक सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम पहल की जा रही है। इसी कड़ी में सिविल डिफेंस वालंटियर्स (नागरिक सुरक्षा वालंटियर) का नामांकन एवं प्रशिक्षण आज 12 मई 2025 दिन सोमवार को प्रातः 9 बजे से पुलिस लाइन में आयोजित किया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट टीम द्वारा संचालित इस प्रशिक्षण में भाग लेने के इच्छुक नागरिक प्रशिक्षण स्थल पर ही पहुंचकर नामांकन करा सकते हैं। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई है, ताकि आपात स्थिति में आमजन की सुरक्षा के लिए एक सक्षम वालंटियर दल तैयार किया जा सके। अधिक जानकारी के लिए कमांडेंट होमगार्ड, संपर्क नंबर- 8319890655 पर संपर्क किया जा सकता है।

जल संरक्षण के अंतर्गत निकाली गई रैली, ली गई जल संरक्षण की शपथ

छिन्दवाड़ा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के निर्देश पर एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन व ब्लॉक समन्वयक संजीव भावरकर के मार्गदर्शन में सेक्टर क्रमांक 2 उमरेठ के मेंटर शंकर राम प्रजापति द्वारा ग्राम खारापिंडाई में जनजागरूकता रैली, नारा लेखन और जल संरक्षण की शपथ दिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत उमरेठ में एक संगोष्ठी का आयोजन कर प्राचीन बावड़ी की सफाई की योजना पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव श्री तुलाराम साहू, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ममता चौरसिया, पंचायत कर्मी श्री संदीप, पंच श्री घूर्णन साहू, सोसाइटी समूह की सदस्याएँ, सीएमसीएलडीपी के छात्र मनीष साहू, शकीला अंसारी, मणिलाल बानवंशी, जयपाल नागवंशी, सुभाष अमरवंशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक, महिलाएँ और बच्चे उपस्थित रहे।

विकासखंड अमरवाड़ा के ग्राम हिर्री में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जनसहयोग से नदी की सफाई कर गहरीकरण का कार्य किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन एवं विकासखंड समन्वयक सुश्री वंदना राकेसिया के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए श्रमदान के माध्यम से नदी की स्वच्छता सुनिश्चित की गई।

हाथों में मेहंदी लगाकर स्लोगन लिखकर जल संरक्षण का संदेश दिया

अमरवाड़ा। जिले के माननीय कलेक्टर शीलेंद्र सिंह जी के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियों ने हाथों में मेहंदी लगाकर स्लोगन लिखकर जल संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक वंदना राकेसिया परामर्शदाता राजेश तिवारी प्रवीण सक्सेना अंशुल जैन भुवनेश्वर सूर्यवंशी भारती सूर्यवंशी सहित एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू के विद्यार्थी मौजूद रहे।

अवैध कॉलोनियों के रहवासियों को विधुत विभाग दे राहत

सुगमता से दिये जाए स्थाई विधुत कनेक्शन

छिंदवाड़ा। प्रदेश की राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की वैध व अवैध कालोनियों के रह वासियों को स्थायी विधुत कनेक्शन प्रदान करने के लिए आवश्यक अधोसंरचना में निर्माण लागत में राहत प्रदान करने हेतु विधुत सुगम (सुविधा) योजना 2024 लागू करने के निर्देश ऊर्जा मंत्रालय द्वारा प्रदेश की विधुत वितरण कंपनियों को जारी किये गये हैं जिसमें वैध अवैध कालोनियों के रहवासियों को स्थाई विधुत कनेक्शन के लिए आवेदन के साथ 25 प्रतिशत राशि जमा करना होगी शेष राशि का भुगतान मय ब्याज दरों के साथ बिजली बिल में समायोजित कर दो वर्षों की अवधि में जमा करना होगा विधुत वितरण कंपनियों के द्वारा कृषक विधुत उपभोक्ता व घरेलू उपभोक्ताओं को 3.46 ?फीसदी टैरिफ बढ़ा कर अतिरिक्त अधिभार के माध्यम से भारी भरकम बिजली बिल देकर सीधे सीधे जेब में डाका डाल रही है ऐसे में ऊर्जा विभाग वैध एवं अवैध कलोनीयो के रहवासियों से ब्याज लेकर सशर्त स्थायी कनेक्शन देकर उपभोक्ताओं को राहत की जगह कष्ट देकर शोषण कर रहीं हैं स्थायी विधुत कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं को बिजली विभाग द्वारा भारी भरकम बजट बता कर आर्थिक व मानसिक शोषण किया जाता है उक्त आशय के जारी बयान में जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय ने बताया कि हैं ऊर्जा विभाग ने सुगम विधुत (सुविधा) योजना वैध अवैध कालोनियों के रहवासियों के लिए राहत देने के लिए बनाई लेकिन वास्तव में ये योजना उपभोक्ताओं के लियेदुर्गम विधुत योजना साबित हो रही है इसके एवज़ में उपभोक्ताओं को राहत के बजाय आर्थिक शोषण किया जा रहा है। प्रकोष्ठ ने शासन से मांग की है कि सरकार नागरिकों का वास्तव में भला करना चाहती है तो इस योजना के अंतर्गत अधोसंरचना व्यय का 25 प्रतिशत राशि उपभोक्ता से जमा करा कर शेष राशि सरकार को वहन कर अपने विद्युत उपभोक्ताओं को स्थायी कनेक्शन प्रदाय करना चाहिए ।

नुन्हारिया मेहरा समाज का सामाजिक भवन का विधायक सोहन वाल्मीकि ने किया लोकार्पण

चांदामेटा में हुआ गरिमामयी आयोजन, जिलेभर से जुटे सामाजिक कार्यकर्ता

परासिया। छिंदवाड़ा जिले के परासिया विकासखंड अंतर्गत चांदामेटा नगर में नुन्हारिया मेहरा समाज का बहुप्रतीक्षित सामाजिक भवन 'नीची लाइन अम्बेडकर भवन के पास' क्षेत्र में बनकर तैयार हो गया है। रविवार को इस भवन का लोकार्पण समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक माननीय सोहन वाल्मीकि उपस्थित रहे, जिन्होंने भवन का विधिवत उद्घाटन कर समाज को यह महत्वपूर्ण सौगात समर्पित की।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ की गई। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसके पश्चात सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। भारतरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके सामाजिक योगदान को नमन किया गया।

इस गरिमामयी आयोजन में जिलेभर से बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, ग्राम कोटवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मेधावी छात्र-छात्राएं एवं समाज के वरिष्ठ जन उपस्थित हुए। समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे इन सभी लोगों को आयोजकों द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में नगर की सांस्कृतिक छवि भी झलकी। बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीत, नृत्य एवं नाट्य मंचन ने सभी उपस्थितजनों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि समाज की एकता और सांस्कृतिक समृद्धि को भी दर्शाया।

मुख्य अतिथि विधायक सोहन वाल्मीकि ने अपने उद्बोधन में समाज द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नुन्हारिया मेहरा समाज की यह पहल न केवल समाज को सशक्त बनाएगी, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे सदैव समाज के कल्याण हेतु तत्पर रहेंगे एवं सभी जरूरी संसाधनों के माध्यम से सहायता प्रदान करेंगे।कार्यक्रम में न वरिष्ठ सदस्य एम.पी. भावरकर, कोमल भावरकर,धनराज

भावरकर,दिनेश भावरकर, बाला सातनकर, श्याम कोलारे, सुमित भावरकर, राधेलाल भावरकर, परासिया समिति से छिन्दवाड़ा से

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय समन्वयक राजकुमार भावरकर द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया तथा समाज की ओर से भविष्य में भी इसी तरह के आयोजनों को निरंतरता देने का संकल्प लिया गया। आयोजकों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सहयोगियों का विशेष रूप से आभार प्रकट किया।

पत्रकारों के सम्मान में कार्यक्रम...

सकारात्मक एवं नकारात्मक पत्रकारिता का राष्ट्रहित पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षण किया

छिंदवाड़ा। आदि पत्रकार महर्षि नारद जयंती के उपलक्ष्य में व्ही.आई.पी. रोड स्थित परिसर में पत्रकारों के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, संसदीय क्षेत्र के सांसद विवेक बंटी साहू, कार्यक्रम अध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत छिंदवाड़ा अग्रिम कुमार तथा मुख्य वक्ता के रूप में नागपुर के पूर्व महापौर दयाशंकर तिवारी उपस्थित रहे, विशिष्ठ अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार रत्नेश जैन, गोविंन्द चौरसिया, आर.एस. वर्मा मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अमोल डबली एवं आभार प्रदर्शन अजम पालीवाल द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता द्वारा अठारहवी सदी से वर्तमान समय तक की पत्रकारिता की विकास यात्रा पर सारगर्भित उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सकारात्मक एवं नकारात्मक पत्रकारिता का राष्ट्रहित पर पड़ने वाले प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षण किया गया। मुख्य अतिथि विवेक बंटी साहू द्वारा महर्षि नारद जयंती के महत्व को बताते हुए, वर्तमान परिद्रष्य में पत्रकारिता के महत्व पर सारगर्भित उद्बोधन दिया गया।

सांसद ने आगजनी से पीड़ित परिवारों को दी सहायता राशि

छिन्दवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू हर्रई के दौरे से लौटकर बीसापुर कलां पहुंचे, जहां उन्होंने आगजनी से पीड़ित परिवारों से भेंट कर उन्हें 50 हज़ार रुपए की आर्थिक सहायता दी। मंगलवार की मध्य रात्रि ग्राम बीसापुर कलां के अरुण बोरकर, अर्जुन बोरकर, देवेंद्र बोरकर, नामदेव बोरकर, राहुल बोरकर के मकान आग लगने से पूरी तरह जलकर खाक हो गए थे। इस आगजनी की घटना से दुखी सांसद श्री साहू बीसापुर कलां पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। सांसद श्री साहू ने अपनी ओर से व्यक्तिगत रूप से पीड़ित पांचों परिवारों को 10 - 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तुरंत प्रदान की एवं प्रशासनिक अधिकारियों से मुआवजे के लिए आगे की कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देशित किया । इस दुख की घड़ी में सांसद श्री साहू ने पीड़ित परिवारों को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

सतपुड़ा विधि महाविद्यालय में मूट कोर्ट का मंचन

छिंदवाड़ा। मूट कोर्ट के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण का मंचन किया गया कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के पूजन आरक्षण एवं दीप प्रजनन के साथ हुआ जिसमें कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष नवनीत व्यास एवं मूट कोर्ट में जिला एवं सत्र न्यायालय छिंदवाड़ा से लोक अभियोजक अजय पालीवाल एवं अतिरिक्त लोक अभियोजक सुनील सिंधिया एवं पंकज चीखलकर, संगीत श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, उन्होंने विधि के विद्यार्थियों को कोर्ट के प्रायोगिक ज्ञान की जानकारी सूक्ष्मता से प्रदान की एवं विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं ज्ञानवर्धन किया मूट कोर्ट प्रतियोगिता का संचालन एवं व्यवस्थापन महाविद्यालय के प्रोफेसर दिलीप धारा सर एवं सचिन बाजपेई के माध्यम से किया गया । विधायर्थी वकीलों ने प्रकरण में बहस कर अपना-अपना पक्ष रखा जिसमें श्रीमती आरती चौरसिया, दीपक सेमेकर, पन्द्राम पगारे, जयकुमार पाल, चेतन साहू, अनिल लांजेवार, खुशी अस्मिता, तनीश देशमुख, उपासना सूर्यवंशी, मनीषा जैन, अनिता दुबे, प्रकाश पहाड़े

मूट कोर्ट मंचन में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण जयेंद्र भारद्वाज श्रीमती प्रतिभा शक्रवार श्रीमती अमृता सिरपुरकर, अखिलेश पांडे, श्रवण बंदेवार, आनंद बाजपेई, विनोद झावरे वेदांश शुक्ला एवं कुमारी वंशिका विश्वकर्मा विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे कॉलेज के प्राचार्य वेद प्रकाश तिवारी ने मूट कोर्ट मंचन हेतु अतिथिगण का आभार व्यक्त किया।

नपा ने लोक अदालत में वसूली 8 लाख 43 हजार रुपए की बकाया राशि जलकर

आष्टा। स्थानीय अदालत परिसर में लोक अदालत का आयोजन हुआ, जिसमें नगरपालिका द्वारा कैंप लगाकर नगर के बकायादारों को पूर्व में नोटिस देकर निकाय की जलकर, संपत्ति कर, समेकितकर आदि की बकाया राशि वसूली गई। कैंप का शुभारंभ नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, सीएमओ राजेश सक्सेना, पार्षद रवि शर्मा, डॉ. सलीम खान, अवनीश पिपलोदिया की उपस्थिति में किया गया।

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा द्वारा लोक अदालत में निकाय की बकाया जलकर, संपत्तिकर जमा करने आए बकायादारों से आग्रह करते हुए कहा कि निकाय की बकाया राशि समय रहते जमा करावें, क्योंकि आपके द्वारा जमा की जाने वाली करों की राशि से ही नगर का विकास होता है, वहीं मूलभूत आवश्यकओं व सुविधाओं को उपलब्ध भी निकाय आपके द्वारा जमा कराई जाने वाली राशि से ही कराती है। आप सभी प्रत्येक माह अपने नलकर एवं संपत्तिकर की राशि जमा करावें, ताकि आपके ऊपर भी भार न हो और आपके द्वारा जमा कराई जाने वाली राशि से नगरपालिका और अधिक तेजी से नगर का विकास कर सकें।

नपा ने वसूली 7 लाख 42 हजार रूपये से अधिक की बकाया राशि - नपा की बकाया राशि वसूल करने के लिए जहां नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने नागरिकों से सोशल मीडिया के माध्यम से बकाया जमा करने की अपील

की, वहीं मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना द्वारा अपने अधिनस्थ अमले को साथ लेकर मुनादी के साथ-साथ नागरिकों से बकाया जमा करने हेतु द्वार-द्वार पहुंचकर आग्रह किया गया। सीएमओ श्री सक्सेना द्वारा वार्डवार 5 सदस्यी टीम गठित की गई जिसमें एक-एक दल प्रभारी व गठित टीम से सुचारू रूप से काम कराने के लिए एक-एक नोडल नियुक्त किया गया। सीएमओ श्री सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत के माध्यम से नगर के बकायादारों से संपत्तिकर, जलकर, समेकितकर, दुकान किराया की लगभग 7 लाख 42 हजार 817 रूपये की बकाया राशि वसूली गई है। सीएमओ राजेश सक्सेना ने राजस्व अमले की सराहना करते हुए कहा कि इसी प्रकार निकाय को मजबूत करने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते रहे। वसूली कार्य में नपा की राजस्व टीम सहित अन्य कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

रोजगार से जुड़े युवा तो परिजन व पालकों के खुशी से छलक उठे आंसू

कमलनाथ व नकुलनाथ की मानवीय पहल रंग लाई

छिन्दवाड़ा। आर्थिक परेशानियों के बीच महानगरों में रहकर उच्च शिक्षा हासिल करना सभी के लिए संभव नहीं होता। विषम परिस्थितियों के चलते प्रतिभावना छात्र-छात्राएं कई बार उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे युवाओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने उठाया था। नेताद्वय के प्रयासों से चयनित छात्र-छात्राओं को इंदौर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से निःशुल्क शिक्षा प्रदान की गई।नारियल बेचने से लेकर ठिलिया चलाकर परिवार का भरण पोषण करने के साथ ही बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाना संभव नहीं था। इस महंगाई के दौर में बड़े शहरों व महानगरों में रहकर पढ़ाई करना भी संभव नहीं है, किन्तु जरूरतमंद छात्र-छात्राओं की आंखों में उच्च शिक्षा पाकर नौकरी करने का सपना था। उस सपने को माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी ने साकार किया तो परिजनों की खुशी बढ़ गई और यह खुशी उस वक्त दोगुनी हो गई जब युवा 3 से 7 लाख रुपए के पैकेज पर राष्टीय व बहुराष्ट्रीय कम्पनी में नौकरी के लिए चयनित हो गए। उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक उठे, उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा, क्योंकि नेताद्वय के प्रयासों से नामुमकिन भी मुमकिन में तब्दील हो गया। पालक परिजनों ने सर्वप्रथम कमलनाथ एवं नकुलनाथ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

आंतरिक सुरक्षा एवं नागरिक सुरक्षा को लेकर कलेक्टर व एसपी ने अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश

सिवनी- राष्ट्रीय परिस्थितियों और देश के वर्तमान परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जिसके परिप्रेक्ष्य में जिले में आंतरिक सुरक्षा एवं नागरिक सुरक्षा को लेकर कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन एवं पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता ने सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया हैं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवजीवन विजय, अपर कलेक्टर सीएल चिनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खंडायत, सहित होमगार्ड तथा निर्माण विभाग, विद्युत मंडल, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि देश के वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए भविष्य में आपातकालीन स्थिति में आंतरिक एवं नागरिक सुरक्षा के सभी इंतजाम करना है। इसके लिए सभी अधिकारी तैयारियों के साथ अलर्ट मोड पर रहे। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करे, क्योंकि इन परिस्थितियों में इसकी अहम भूमिका है। सभी अधिकारियों को सिविल डिफेंस प्लान तैयार करने के निर्देश दिये गये। आपात स्थिति के लिए नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर वालिंटियर्स की नियुक्ति कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये गये। सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के लिए सेवानिवृत्त फौजी, सीएपीएफ के जवान, पुलिस कर्मचारी, होमगार्ड, एनसीसी के छात्र, सेवानिवृत्त कर्मचारी, अग्निवीर, सुरक्षा ऐजेंसी के सदस्य, वन समिति के सदस्य, विशेष पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि का चयन किया जा सकता है। सिविल डिफेंस वालिंटियर्स 18 वर्ष से अधिक की आयु का होना चाहिए।

इस दौरान डिस्ट्रिक कमाण्डेंट होमगार्ड एवं पुलिस अधिकारियों को कार्यालय में उपलब्ध संसाधन की समीक्षा कर खराब संसाधनों को दुरूस्त करवाने के निर्देश दिये गये। साथ ही आपदा मित्र एवं आपदा में बचाव कार्य करने वाले दलों के सदस्यों को सक्रिय करने के निर्देश भी दिये। इसी तरह अस्पतालों में आपात कालीन स्थिति के अंतर्गत विशेष रूप से व्यवस्था करने कहा गया, जिसमें अस्पतालों में आपातकालीन दवाईयों की समुचित व्यवस्था रखने, बर्न यूनिट में आवश्यक दवाईया एवं उपकरण उपलब्ध रखने, ब्लड बैंक की पर्याप्त व्यवस्था रखने एवं एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध रखने के निर्देश दिये गये। इसके लिए निजी अस्पतालों से भी समन्वय बनाकर रखने कहा गया। अस्पतालों में 24 घंटे उपचार की सुविधा उपलब्ध रखने के निर्देश दिये गये। साथ ही आपात स्थिति के लिए मॉक ड्रिल के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में निर्देशित किया गया की सुकतरा हवाई पट्टी, भीमगढ़ डेम, पॉवर ग्रिड पर कोई भी अवांछित व्यक्ति प्रवेश न कर सके इसका ध्यान रखा जाये। फायर फायटर वाहनों की स्थिति की समीक्षा करें और और उन्हें दुरूस्त रखें। जिससे किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए उनका त्वरित उपयोग किया जा सके। जिले में कहीं पर भी अत्यावश्यक वस्तुओं की जमाखोरी न हो इसके लिए कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिये गये। खाद्यान्न प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को समय पर राशन प्रदान करने एवं महत्वपूर्ण एवं आवश्यक सेवाओ जैसेः- तेल, पेट्रोल, एलपीजी, दूध, खाद, बीज का न्यूनतम स्टाक रिजर्व करके रखने कहा गया।

बैठक में निर्देशित किया गया कि सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से कोई भी फेक न्यूज या गलत खबर प्रसारित न करें इसका विशेष ध्यान रखा जाये। सोशल मीडिया पर भ्रामक, तथ्यहीन फेक न्यूज एवं अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने कहा गया। फेक न्यूज एवं अफवाहों का तत्काल खंडन कर वस्तुस्थिति से आम जन को अवगत कराया जाये। जिले में सांप्रदायिक सौहार्द्र को बनाये रखने एवं अनावश्यक तनाव की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए सभी अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाने एवं कम्यूनिकेशन प्लान तैयार करने के निर्देश दिये गये। बिना अनुमति के जुलूस, रैली आदि नहीं निकाली जायेगी और हथियारों को प्रदर्शन नहीं किया जायेगा। इसी तरह सभी संवेदनशील क्षेत्रो को सीसीटीवी के सर्विलांस में लेने के निर्देश दिये गए हैं।

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

आंशिक युद्ध विराम सोशल मीडिया और जनभावनाएं

1971 में जो खोया उसे याद करना कितना उचित है?

10 मई 25 की शाम अचानक अमेरिका के राष्ट्रपति के ट्वीट ने भारत पाकिस्तान के मध्य चल रहे अप्रत्यक्ष युद्ध पर विराम की सहमति की घोषणा से मीडिया में , जनमानस में तहलका मच गया जैसे की भारत और पाकिस्तान का टी/20 का रोमांचक मैच चल रहा हो और पाकिस्तान बुरी तरह हार रहा हो और भयंकर बारिश आ जाए और जीत की कसक रह जाए क्या देश को सोशल मीडिया और जनभावनाएं चलाएंगी भारत पाकिस्तान का युद्ध रूस यूक्रेन की तरह चलना चाहिए भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को 2 दिन में ही नानी याद दिला दी आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए बड़े आतंकी मारे गए ये सेना की उपलब्धि है विश्व चकित है पाकिस्तान स्वयं बिखराव की स्थिति में है और भारत पाकिस्तान ने आंशिक युद्ध रोका है समाप्त नही किया है सबसे शर्मनाक स्थिति सोशल मीडिया और मीडिया में 1971 के युद्ध में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा जी के नेतृत्व को याद कर सरकार के युद्ध विराम की घोषणा पर सवाल उठाए जा रहे हैं शिमला समझौता पर भी खुलासे हुए जो कांग्रेस के लिए उलटे पड़ गए है।

1971 में भारत ने पाकिस्तान का विभाजन कर बंगला देश का निर्माण कर महान कार्य किया परंतु इसका भारत को क्या लाभ मिला विचारणीय प्रश्न है।

कश्मीर समस्या का समाधान उस समय हो सकता था परंतु इंदिराजी ने स्वयं की प्रतिष्ठा निर्मित की पाकिस्तान के 93 हजार युद्धबंदी वापस कर दिए जो पाकिस्तान ने बंदी बनाए थे वापस नहीं ले सकी विजय जमीन वापस की ओर भारत के सेना के शहीदों के खून से शिमला समझौता कर टेबल पर हार गई।

1971 के पाकिस्तान विभाजन पर पाकिस्तान ने कश्मीर को अलग करने का लक्ष्य बना लिया और आतंकवाद तेजी से बड़ा जिसका परिणाम हम भुगत रहे है क्या उसी इंदिरा गांधी को याद कर रहे है जो समस्या पैदा कर के चली गई, क्या हम 1947 ,1964 में पंडित नेहरू की गलतियों को याद करते है , 1965 के पाकिस्तान से विजय को हमने ताशकंद समझौते में लालबहादुर शास्त्री को खो दिया उसकी कोई चर्चा करता है वर्तमान सरकार की युद्ध विराम की नीति सही गलत हो सकती है हमने अभी क्या खोया है जो सवाल उठ रहे हैं। अभी मात्र युद्ध विराम पर चर्चा चल रही है अमेरिका के हित है तो चीन के भी हित हैं पाकिस्तान की औकात तो 2 दिन में ही नजर आ गई है उसे भारत अब बिना युद्ध के भी समाप्त कर सकता है और पाकिस्तान अब भारत से लड़ने की स्थिति में नहीं है यह पाकिस्तान की जनता भी समझ गई है इसलिए भारत सरकार पर सवाल उठाने का कोई समय नहीं है आगे आगे देखिए क्या होता है अभी तो पूर्ण युद्ध विराम पर निर्णय आज की बैठक में होना है ।

भोपाल। मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा ने चूना भट्टी क्षेत्र में मैत्री बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध की पूजा-अर्चना की।

जीवन में देखी घटनाओं से सिद्धार्थ गृहस्थ जीवन से गौतम बुद्ध बनने की यात्रा पर चल पड़े थे

भोपाल। बुद्ध पूर्णिमा, जो वैशाख माह की पूर्णिमा को मनाई जाती है, इस दिन भगवान गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था। यह दिन बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन को बुद्ध जयंती भी कहा जाता है और यह दुनियाभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस साल बुद्ध पूर्णिमा आज मनाई जा रही है। पंचांग के मुताबिक, इस साल बुद्ध पूर्णिमा की तिथि 11 मई की शाम 6.55 बजे से शुरू हुई और 12 मई की शाम 7.22 बजे समाप्त होगी। इस दिन विशेष रूप से स्नान, दान, पूजा और व्रत का महत्व होता है। जोतिषशास्त्र के मुताबिक, बुद्ध पूर्णिमा के दिन वरीयान और रवि योग का निर्माण हो रहा है, जिससे इस दिन का धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। वरीयान योग रातभर रहेगा, जबकि रवि योग सुबह 5.32 बजे से अगले दिन सुबह 6.12 बजे तक रहेगा। इसके अलावा, भद्रावास योग भी रहेगा, जो सुबह 9.14 तक रहेगा। पूर्णिमा के दिन बौद्ध धर्म के अनुयायी बोधि वृक्ष की पूजा करते हैं और भगवान बुद्ध के उपदेशों को सुनते हैं। हिंदू धर्म के अनुयायी भी इस दिन को विशेष रूप से मनाते हैं। वे गंगा नदी में स्नान करते हैं, भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं और रात को चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं।

ऐसे हुआ बुद्ध का कायापलट- सिद्धार्थ का जीवन पहले शाही सुखों और ऐशो-आराम से भरा हुआ था। राजा शुद्धोधन ने उन्हें हर प्रकार की सुख-सुविधाएं दी थीं ताकि वे कभी जीवन के दुखों को न जान पाएं। लेकिन एक दिन जब सिद्धार्थ बगीचे की सैर पर निकले, तो उन्होंने एक बूढ़े आदमी को देखा। उसकी हालत बहुत खराब थी, उसके दांत टूट चुके थे, बाल सफेद हो गए थे और शरीर में अकड़न आ गई थी। यह दृश्य सिद्धार्थ के लिए शॉकिंग था और इसने उन्हें वृद्धावस्था के कष्टों का एहसास दिलाया, जो जीवन का एक अपरिहार्य हिस्सा है। कुछ समय बाद सिद्धार्थ फिर से सैर पर निकले और इस बार उन्होंने एक रोगी को देखा। वह व्यक्ति बुरी तरह से बीमार था, उसकी सांसें तेज चल रही थीं, शरीर ढीला पड़ गया था और उसे चलने में भी कठिनाई हो रही थी। इस दृश्य ने सिद्धार्थ को और अधिक विचलित किया क्योंकि इससे यह स्पष्ट हुआ कि बीमारी भी जीवन का हिस्सा है, जो मानव जीवन को बिना किसी चेतावनी के प्रभावित कर सकता है। तीसरी बार सिद्धार्थ ने रास्ते में एक अर्थी देखी। चार लोग एक शव को उठाए हुए थे और पीछे कई लोग चल रहे थे, जिनमें से कुछ रो रहे थे और कुछ अपने बाल नोच रहे थे। यह दृश्य सिद्धार्थ के लिए एक बड़ा आघात था, क्योंकि उन्होंने मौत के वास्तविक रूप को देखा था। इसने उन्हें मृत्यु के अपरिहार्य सत्य से अवगत कराया और यह समझने में मदद की कि मृत्यु एक ऐसी बात है जिसे कोई भी व्यक्ति टाल नहीं सकता। अंतिम बार जब सिद्धार्थ ने बगीचे की सैर की, तो उन्हें एक संन्यासी दिखाई दिया। यह व्यक्ति सभी सांसारिक इच्छाओं और तृष्णाओं से मुक्त होकर शांत और प्रसन्नचित्त था। इस दृश्य ने सिद्धार्थ को आंतरिक शांति और तपस्या के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया। संन्यासी की अवस्था ने सिद्धार्थ के दिल में यह विचार उत्पन्न किया कि यही सत्य और मुक्ति का रास्ता हो सकता है।

गौतम बुद्ध का ज उपदेश- भगवान गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व कपिलवस्तु के लुंबिनी में हुआ था। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और वे शाक्य गण के मुखिया राजा शुद्धोधन के पुत्र थे। उन्होंने 16 साल की उम्र में यशोधरा से विवाह किया और उनके पुत्र का नाम राहुल रखा। गौतम बुद्ध को बोधगया में पीपल के वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और इसके बाद उन्होंने अपना पहला उपदेश सारनाथ में दिया। बौद्ध धर्म में जीवन के दुखों से मुक्ति, साधना और ध्यान की महत्वपूर्ण शिक्षा दी जाती है।

सिद्धार्थ आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में निकल पड़े

इन घटनाओं ने सिद्धार्थ के दिल और दिमाग में गहरे प्रभाव डाले। इन दृश्यावलीयों के माध्यम से सिद्धार्थ ने जीवन के दुख, बीमारी, वृद्धावस्था और मृत्यु को समझा और फिर उन्होंने घर छोड़ने और आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में जंगल की ओर जाने का निर्णय लिया। यही कारण था कि सिद्धार्थ ने गृहस्थ जीवन को छोड़कर ध्यान और तपस्या के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया और अंत में उन्हें गौतम बुद्ध के नाम से जाना गया।

जी. पी. बिड़ला संग्रहालय में चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

जी. पी. बिड़ला संग्रहालय में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पूर्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमेश गुप्ता एवं योगेश गुप्ता द्वारा संकलित महात्मा बुद्ध पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। चित्र प्रदर्शनी में बुद्ध के जीवन के सभी पहलुओं को, जन्म से लेकर मृत्यु तक के जीवन चित्र को उभारा गया है । प्रदर्शनी में महात्मा बुद्ध पर विश्व में जारी विभिन्न देशों के डाक टिकट प्रदर्शित किये गए हैं। बाघ पेंटिंग में महात्मा बुद्ध, प्राचीन भारत की मथुरा कलाशैली में महात्मा बुद्ध एवं कुषाण कालीन महात्मा बुद्ध के चित्रों में बुद्ध के दार्शनिक एवं आध्यात्मिक स्वरूप को चित्रित किया गया है। प्रदर्शनी में भारतीय वास्तुकला और कला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही अजंता की गुफाओं की मूर्तिकला , विहार और चैत्य गृह पर आधारित चित्रों को भी प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रीय अवार्ड विजेता सुश्री मानसी बंसोड द्वारा निर्मित एवं अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार श्री अवधेश बाजपेयी द्वारा 3डी में निर्मित महात्मा बुद्ध की विशेष पेंटिंग प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी के अवसर पर बड़ी संख्या में पर्यटक, विद्यार्थी एवं शोधार्थियों ने संग्रहालय का भ्रमण किया। प्रदर्शनी दिनांक 18.05.2025 तक सुबह 9.30 से शाम 7 बजे तक संग्रहालय समय में देखी जा सकती है।

बुद्ध पूर्णिमा पर एक साथ एक समय में 25 लाख घरों में होगा गायत्री यज्ञ

हरिद्वार। भारत-पाकिस्तान के मध्य बढे हुए तनाव, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध जैसे माहौल के बीच अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार विश्व के अनेक देशों के 25 लाख घरों में एक साथ, एक समय पर घर-घर में गायत्री यज्ञ का आयोजन कर रहा है। भारतवर्ष के 24 लाख घरों में जबकि अन्य देशों में बसे हुए प्रवासी सनातनी भारतीयों के एक लाख घरों में सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के दिन यह अनुष्ठान होगा। धार्मिक क्रियाकलाप के साथ ही इस दिन रक्तदान, नेत्रदान व अंगदान का संकल्प लेने के लिए भी प्रेरित किया गया है। गायत्री शक्तिपीठ जोबट के प्रमुख डॉ शिव नारायण सक्सेना ने बताया कि प्राचीन काल में देश व राज्य पर जब भी कोई संकट आता था तो आश्रमों में ऋषि-मुनि संकट के निवारण के लिए विशेष अनुष्ठान करते थे। सामूहिक रूप से किए गए अनुष्ठान से शुद्ध, सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है, जो नागरिकों के आत्म विश्वास और सैनिकों के शौर्य में वृद्धि करता है। वैश्विक सुख-शांति और प्रगति, विश्व में एकता, समता, ममता का वातावरण निर्मित करने के लिए विराट वैश्विक यज्ञीय प्रयोग बीते कई वर्षों से गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस वर्ष गायत्री परिवार बुद्ध पूर्णिमा को यज्ञ दिवस के रूप में मना रहा है।

पूर्व जनसंपर्क अधिकारी मिश्रा का निधन

भोपाल। सेवानिवृत जनसंपर्क अधिकारी अरुण मिश्रा का आज सुबह निधन हो गया है ।मिश्रा लंबे समय से लीवर संबंधी रोग से पीड़ित थे उनका आईएलबीएस नई दिल्ली से उपचार चल रहा था। एक सप्ताह पूर्व उन्हें कठिनाई होने पर प्रार्थना हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद उनकी स्थिति में सुधार हुआ लेकिन दो दिन पूर्व उन्हें गंभीर हृदयाघात हुआ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 24 घंटे जीवन मृत्यु से संघर्ष करने के बाद आज मिश्रा जी हमे छोड़ कर चले गए। मिश्रा मंडला डिंडोरी उमरिया सीधी जिलों में पदस्थ रहे। मिश्रा अक्टूबर 2023 में रीवा से सेवा निवृत्त होकर रीवा में ही निवास कर रहे थे।

सफाई अभियान अंतर्गत की नालों की सफाई

भोपाल। मानसून से पहले 1 से 30 मई तक नालों की सफाई अभियान के अंतर्गत सोमवार को जोन 4 नादरा बस स्टैंड से कबाड़ खाना, सिंधी चौराहा तक नालों का सफाई अभियान चलाया गया। महापौर मालती राय ने निरीक्षण किया। इस दौरान एमआईसी सदस्य आरके सिंह बघेल, जोन अध्यक्ष पूजा शर्मा, मंडल अध्यक्ष अजय राहुल एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

पीएम कृषक मित्र सूर्य योजना के क्रियान्वयन के लिए जैन की अध्यक्षता में बनी राज्य स्तरीय समन्वय समिति

भोपाल। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश में सिचाई के लिए सोलर पंप स्थापना की योजना प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया है। इस समिति में नवीन एवं नवकरणीय उर्जा विभाग के सचिव सदस्य सचिव होंगे। उर्जा, वित्त, नगरीय विकास एवं आवास, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव को सदस्य बनाया गया है। यह समिति योजना के सभी घटकों के अंतर्गत प्रगति की नियमित समीक्षा करेगी। योजना के क्रि यान्वयन के लिए विभागों के बीच आवश्यक समन्वय बनाने का काम भी समिति करेगी। योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा हर तीन माह में की जाएगी ताकि समय सीमा में लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। योजना को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने के लिए आवश्यक विनिर्देश जारी किए जाएंगे। योजना क्रियान्वयन के संबंध में भारत सरकार के नवीन एवं नवकरणीय उर्जा मंत्रालय के साथ समन्वय करने और राज्य में योजना क्रियान्वयन में सुधार के उपाय भी यह समिति सरकार को सुझाएगी।

नर्सों का सेलिब्रेशन

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर गांधी मेडिकल कॉलेज में आज नर्सों द्वारा सेलिब्रेशन रखा गया।

दो महीने बाद फिर जंगल से निकली चीता फैमिली:ज्वाला को देख भागा बाइक सवार, गाय का शिकार कर मिटाई भूख

श्योपुर। करीब दो महीने बाद चीता फैमिली एक बार फिर कूनो नेशनल पार्क से तफरी के निकली है। सोमवार सुबह मादा चीता ज्वाला अपने तीन शावकों के साथ वीरपुर क्षेत्र के सीखेड़ा और मुंडापुरा गांवों के पास पहुंच गई है। उसने अपनी और शावकों की भूख मिटाने के लिए गाय का शिकार भी किया है।

चीता फैमिली जब वीरपुर थाने के पास वाली पुलिया पार कर रही थी उस दौरान एक बाइक सवार डर के मारे भागता नजर आया। कूनो नेशनल पार्क की टीम चीता फैमिली के मूवमेंट पर नजर रखे हुए है। बताया जा रहा है कि चीता ज्वाला अपने शावकों के साथ रविवार रात कूनो नेशनल पार्क से निकली है। पार्क प्रबंधन को जैसे इस बात की खबर लगी, उसने आसपास के ग्रामीण इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया। ग्रामीण रविवार रात से ही सतर्क हैं। वे टॉर्च की रोशनी में चीतों पर नजर रख रहे हैं। ग्रामीणों ने मवेशियों की सुरक्षा के लिए लोगों ने समूह बनाकर रातभर पहरा दिया। ग्रामीणों के अनुसार चीते पहले भी गांव के पास आए हैं। लेकिन इस बार उनकी संख्या ज्यादा है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि चीते इंसानों पर हमला नहीं करते हैं। ग्रामीणों से किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को देने को कहा गया है।

शहर में घुसी थी चीता फैमिली, भीड़ ने पत्थर मारे- इससे पहले 23 मार्च को कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकले 5 चीतों पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया था। घटना का वीडियो भी सामने आया। हालांकि, मौके पर मौजूद वन विभाग की रेस्क्यू टीम ग्रामीणों से चीतों से दूर रहने का कहती रही, लेकिन वे नहीं माने।

पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आई थी चीता फैमिली- दरअसल, डेढ़ महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावक पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आए थे। ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम श्यामपुर के पास देखे गए। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर थे।

चीतों ने गाय पर झपट्टा मारा तो ग्रामीणों ने पत्थर मारे- पांचों चीते कूनो सायफन के पास से होते हुए कूनो नदी में पहुंचे थे। वे निर्माणाधीन रेलवे पुल के नीचे काफी देर तक बैठे रहे। इस दौरान कूनो सायफन से गुजरने वाले राहगीरों की भीड़ चीतों को देखने के लिए जमा हो गई।

21 फरवरी को खुले जंगल में छोड़े गए थे चीते

ज्वाला और उसके शावकों को 21 फरवरी को खजूरी क्षेत्र के जंगल में छोड़ा गया था। एक महीने तक वे पार्क की सीमा में ही रहे। चीतों के बाहर निकलने पर क्षेत्र के चीता मित्र और उनकी टीम ने आसपास के लोगों को जागरूक किया था।

चीते इंसानों से कितने फ्रेंडली होते हैं?

चीते इंसानों के लिए सक्रिय रूप से कोई खतरा नहीं होते, लेकिन वे फिर भी जंगली जानवर हैं, इसलिए उनके साथ संपर्क करने से बचना चाहिए। आमतौर पर चीते मनुष्यों पर हमला नहीं करते वे अपनी प्रजाति के बाकी जानवरों के मुकाबले शांत स्वभाव के होते हैं।